दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः– 06
अंकः– 136
मुरादाबाद
(Sunday)
06 September 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अच्छा वक्ता बनने के टिप्स दीजिएः प्रधानमंत्री मोदी का शिक्षिका से सवाल, जवाब पर जमकर लगे ठहाके

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने खुद को विद्यार्थी मानते हुए सावल पूछा कि कुशल वक्ता बनने के लिए उन्हें क्या करना चाहिए। शिक्षिका ने आत्मविश्वास और लगातार अभ्यास को जरूरी बताया। इस दौरान शिक्षिका ने कहा कि आपका और देखकर मेरा ही और कम हो गया। इतना बोलते ही पूरे हॉल में खुशनुमा माहौल हो गया। सभी लोग ठहाके लगाने लगे। आगे की बातचीत में पीएम मोदी ने स्क्रीन की लत, खेल, रचनात्मक गतिविधियों, ड्रेस कोड और बच्चों के बचपन को लेकर भी शिक्षकों को संदेश भी दिया। पीएम मोदी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों से शुक्रवार को मुलाकात की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो भी जारी किया। और एक्स अकाउंट पर लिखा कि शिक्षक दिवस शिक्षकों के समाज में महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान देने का अवसर है। यह दिन भारत के महान शिक्षाविद और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है। आइए, जानते हैं पीएम मोदी ने शिक्षकों से किन–किन मुद्दों पर बात की।इस दौरान उन्होंने एक शिक्षिका से अपने सार्वजनिक भाषण कौशल को बेहतर बनाने का सुझाव मांगा। पीएम मोदी ने कहा कि अगर मैं आपका विद्यार्थी होता और एक कुशल वक्ता बनना चाहता, तो आप मुझे क्या सुझाव देतीं? मुझे क्या करना चाहिए? इस सवाल के जवाब में अध्यापिका ने कहा कि आपको पहले कॉन्फिडेंस होना है। इसके बाद वहां मौजूद सभी शिक्षिक हंसने लगे। इस खुशनुमा माहौल में पीएम मोदी भी हंसने लगे। इसके बाद शिक्षिका ने कहा हंसते हुए कहा कि सर, आपका इतना औरा देखकर मेरा औरा ही डाउन हो गया। इसके बाद पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि यानी आपको पब्लिक स्पीकर होना है तो आपके अंदर औरा नहीं होना चाहिए। फिर शिक्षिका ने कहा, नहीं, औरा होना चाहिए सर। फिर पीएम मोदी ने कहा, औरा होगा तो लोग आपको सुनेंगे ही नहीं, औरा ही देखते रह जाएंगे। इसके जवाब में शिक्षिका ने कहा, सर आपको तो लोग देखते ही रहेंगे।इसके बाद शिक्षिका ने कहा कि अच्छी बोलने की क्षमता केवल जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि इसे अभ्यास से बेहतर किया जा सकता है। उन्होंने आत्मविश्वास को सबसे पहली जरूरत बताया और कहा कि लगातार अभ्यास करने से आत्मविश्वास आता है। प्रधानमंत्री ने इस जवाब को शिक्षकों के साथ अपनी बातचीत का हिस्सा बनाया। इसके बाद उन्होंने बच्चों और शिक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने खास तौर पर बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम को लेकर चिंता जताई और कहा कि यह अब एक तरह की लत बनता जा रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षकों से अपील की कि वे छात्रों को नशे के खतरे और उसके बुरे प्रभावों के बारे में जागरूक करें। पीएम मोदी ने कहा कि बड़े शहरों और विश्वविद्यालयों में यह पता लगाना मुश्किल होता है कि कोई बच्चा नशे की चपेट में कैसे आया। ऐसे में शिक्षकों को जागरूकता फैलाने की पहल करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने शिक्षकों से कहा कि वे बच्चों के व्यवहार में होने वाले छोटे–छोटे बदलावों पर भी बारीकी से नजर रखें, ताकि किसी समस्या का समय रहते पता लगाया जा सके।पीएम मोदी ने बच्चों में बढ़ते स्क्रीन टाइम को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि स्क्रीन टाइम अब एक तरह की लत बनता जा रहा है। उनके अनुसार बच्चों की रुचि खेलों में बढ़ाई जानी चाहिए। यहां खेल से उनका मतलब वीडियो गेम नहीं, बल्कि मैदान पर जाकर खेलने से था। उन्होंने कहा कि बच्चों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर उनका ध्यान स्क्रीन से हटाया जा सकता है। साथ ही ऐसे कार्यक्रमों को आदत बनाने पर जोर दिया जाना चाहिए, जो बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा दें। ड्रेस कोड और बच्चों की जिंदगी पर पीएम मोदी ने शिक्षकों को क्या संदेश दिया? पीएम मोदी ने कुछ बड़े शहरों और विश्वविद्यालयों में सामने आए ड्रेस कोड के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि कई बार नियमों को लेकर पर्याप्त जानकारी नहीं होती और कभी–कभी बिना समझाए नियम लागू कर दिए जाते हैं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि उन्हें ऐसे फैसलों से जुड़ी चिंताओं और उनके असर को समझना चाहिए और यह देखना चाहिए कि बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव तो नहीं आ रहा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि शिक्षकों को केवल किताबों और पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि बच्चों की जिंदगी से जुड़ना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से बात करते हुए यह भी कहा कि बचपन को खत्म नहीं होने देना चाहिए और बच्चों के बचपन को बचाए रखने में शिक्षक की बड़ी भूमिका है। काशी में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान का भी किया जिक्र? पीएम मोदी ने बातचीत के दौरान काशी के सांसद रहते हुए शुरू किए गए स्तन कैंसर जागरूकता अभियान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं खुद आगे आकर जांच कराने लगी हैं, जबकि पहले स्थिति ऐसी नहीं थी। उन्होंने एक ही दिन में सबसे ज्यादा लोगों की जांच किए जाने का विश्व रिकॉर्ड बनने को भी सकारात्मक अनुभव बताया। इस बातचीत में प्रधानमंत्री ने शिक्षा को बच्चों के जीवन, खेल, रचनात्मकता और स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों को बच्चों के भीतर सीखने और स्वस्थ तरीके से आगे बढ़ने का माहौल बनाने की जिम्मेदारी याद दिलाई।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल त्रासदी के बीच चमत्कारः 10 दिन से मलबे में फंसी 60 साल की महिला निकली जिंदा, चीनी नागरिक भी मिला जीवित

नेपाल में आपदा के 10–11 दिन बाद राहत और बचाव अभियान में दो बड़ी कामयाबी सामने आई। बेट्रावती में मलबे के अंदर दबे एक घर से 60 साल की महिला को नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल ने जिंदा और सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं अपर त्रिशूली–1 जलविद्युत परियोजना के प्रभावित क्षेत्र से एक चीनी नागरिक भी जिंदा बचाया गया। इतने दिनों बाद दोनों को कैसे बचाया गया और क्या अब बाकी लोगों के लिए भी उम्मीद जगी है?नेपाल में आपदा के करीब 10–11 दिन बाद राहत और बचाव अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। बेट्रावती में आपदा से दबे एक घर के अंदर फंसी 60 साल की महिला को नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल ने जिंदा और सुरक्षित बाहर निकाल लिया। महिला इतने दिनों तक मलबे के अंदर फंसी रही। बचाव दल ने बेहद कठिन हालात के बीच अभियान चलाकर उन्हें बाहर निकाला। इस घटना ने एक बार फिर उम्मीद जगाई है कि मलबे में फंसे अन्य लोगों को भी सुरक्षित खोजा जा सकता है। बचाव दल ने महिला को किस तरह सुरक्षित बाहर निकाला? महिला को बचाने के दौरान नेपाल के सुरक्षा जवानों और बचाव दल के सामने बेहद मुश्किल परिस्थितियां थीं। इसके बावजूद सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर अभियान जारी रखा। महिला के जिंदा मिलने को राहत और बचाव अभियान में एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

सहारनपुर में मस्जिद गिराने पर अखिलेश बोलेः जो दूसरे धर्मों का सम्मान नहीं करते, वे सच्चे सनातनी कैसे हो सकते?

सहारनपुर में अवैध मस्जिद के ध्वस्तीकरण को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग दूसरे धर्मों का सम्मान नहीं करते, वे सच्चे सनातनी नहीं हो सकते।लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेस में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शिक्षकों को समाज और आने वाली पीढ़ी का मार्गदर्शक बताया। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में करीब 26 हजार प्राइमरी स्कूल बंद हो गए हैं। सत्ता में आने पर इन स्कूलों को फिर से खोलने का वादा किया। वहीं, सहारनपुर में अवैध मस्जिद के ध्वस्तीकरण को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगे कैसे सच्चे सनातनी हो सकते हैं। सच्चा हिंदू कभी दूसरों का अपमान नहीं करता। । अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग दूसरे धर्मों का सम्मान नहीं करते, वे सच्चे सनातनी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि दूसरों की आस्था से खिलवाड़ करना सनातन धर्म की भावना के विपरीत है। अखिलेश ने कहा कि सच्चा हिंदू कभी दूसरों का अपमान नहीं करता। उन्होंने 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि सनातन धर्म हमें पूरी धरती और समाज को एक परिवार मानने की सीख देता है। राम मंदिर चंदे को लेकर अखिलेश का भाजपा पर हमला– समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर चंदे को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि 'राम धन' का गबन करने वाले अब घबराए हुए हैं और इसे सांप्रदायिक मुद्दा बनाने का रास्ता तलाश रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि भाजपा पहले अपने धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को दिखाने के लिए मुस्लिम समुदाय के लोगों को भी साथ लेकर चलती थी। अखिलेश ने भाजपा के पुराने राजनीतिक दौर का जिक्र करते हुए कहा कि जब पार्टी के पहले अध्यक्ष की नियुक्ति हुई थी, तब उसके चंदे में मुस्लिम समाज की भी बड़ी हिस्सेदारी थी। उन्होंने दावा किया कि उस समय पार्टी ने अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि स्थापित करने के लिए एक मुस्लिम व्यक्ति को अध्यक्ष का प्रस्तावक भी बनाया था।लखनऊ की 'लाल बिल्डिंग' का जिक्र करते हुए सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि इसे लेकर पहले से भ्रष्टाचार की चर्चाएं होती रही हैं। उन्होंने कहा कि लोग दावा करते थे कि पार्किंग से मिलने वाली रकम ही इमारत की लागत से अधिक हो जाएगी। अखिलेश ने संबंधित अधिकारियों पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इन अधिकारियों की पहले गोरखपुर में तैनाती रही है और वे वहीं की कथित अनियमित कार्यशैली को लखनऊ लेकर आए हैं। उन्होंने इसे तंज कसते हुए 'गोरखधंधा' करार दिया।शिक्षक ही भविष्य बनाते हैं अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षक समाज को दिशा देने और आने वाली पीढ़ी को संभालने का काम करते हैं। हमारे शिक्षक ही हमारे रक्षक हैं। शिक्षक ही बच्चों का भविष्य बनाते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शिक्षकों को पढ़ाने के अलावा कोई दूसरा काम नहीं दिया जाएगा, ताकि वे पूरी तरह शिक्षा के काम पर ध्यान दे सकें। उन्होंने आरोप लगाया कि जर्जर स्कूल की फोटो या वीडियो बनाने पर मुकदमा दर्ज हो जाता है। अखिलेश ने कहा कि अंग्रेजों ने भी कभी शिक्षा पर मुकदमा दर्ज नहीं किया था, लेकिन आज ऐसा किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों को पढ़ाई के अलावा दूसरे कामों में लगाए जाने पर भी सवाल उठाया। लैपटॉप से बच्चों को मिला आगे बढ़ने का अवसर– अखिलेश यादव ने सपा सरकार के दौरान विद्यार्थियों को बांटे गए लैपटॉप का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज भी बच्चे बताते हैं कि लैपटॉप ने उनकी पढ़ाई में मदद की। उनके मुताबिक लैपटॉप मिलने से बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि संघ से जुड़े लोग सभी को एक रंग में रंगना चाहते हैं। अखिलेश ने शिक्षा और तकनीक के क्षेत्र में पिछली सपा सरकार के फैसलों को भी गिनाया।

मायावती ने मस्जिदों के ध्वस्तीकरण पर उठाए सवाल, बोलीं–सरकार तुरंत रोके अभियान

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सहारनपुर की मस्जिद समेत यूपी में मस्जिदों के ध्वस्तीकरण को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक सरकार की जिम्मेदारी सभी धर्मों और उनके धार्मिक स्थलों का सम्मान व सुरक्षा करना है।सहारनपुर में मस्जिद के ध्वस्तीकरण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब बहुजन समाज पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस मामले को लेकर X पर पोस्ट की है। मायावती ने प्रदेश में मस्जिदों को अवैध बताकर ध्वस्त किए जाने के कथित सरकारी अभियान पर सवाल उठाते हुए इसे तत्काल रोकने की मांग की है। मस्जिदों को ध्वस्त करने का अभियान ठीक नहीं– मायावती ने अपनी पोस्ट में कहा कि सहारनपुर की मस्जिद सहित पूरे उत्तर प्रदेश में मस्जिदों को जल्दबाजी में अवैध बताकर ध्वस्त करने का सरकारी अभियान उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से ऐसे नकारात्मक हालात से बचने के लिए अभियान पर तत्काल रोक लगाने और समस्या के समाधान के दूसरे उपाय तलाशने की अपील की।सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों का सम्मान जरूरी–पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि संवैधानिक और सेक्युलर सरकार का दायित्व है कि वह सभी धर्मों को मानने वाले लोगों और उनके धार्मिक स्थलों का समान रूप से सम्मान और सुरक्षा करे। उन्होंने मस्जिदों को इस्लाम में इबादत और सामूहिक नमाज का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए भारतीय परंपरा के अनुसार उनके सम्मान को देश और व्यापक जनहित में जरूरी बताया। मकान गिराने की कार्रवाई पर भी सवाल– मायावती ने अपने पोस्ट में बिना नियम–कानून का समुचित पालन किए अभियुक्तों के मकान ध्वस्त करने की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई में पूरे परिवार को सामूहिक रूप से सजा देकर बेघर कर दिया जाता है, जिससे लोग काफी विचलित हैं।

कानून द्वारा कानून का राज जरूरी– मायावती ने कहा कि ऐसे हालात में उनकी पार्टी की सरकार की तरह कानून द्वारा कानून का राज वाला व्यवहार जरूरी है। उन्होंने सरकार के साथ–साथ न्यायालय से भी इस दिशा में समुचित ध्यान देने की अपील की। सौहार्द बनाए रखने की अपील– मायावती ने अपनी पोस्ट के अंत में लोगों से सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में सभी पक्षों को शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की दिशा में काम करना चाहिए।

मस्जिद गिराए जाने पर भड़के असदुद्दीन ओवैसी, बोले–1911 के दस्तावेज के बावजूद क्यों चला बुलडोजर?

सहारनपुर कलेक्ट्रेट की मस्जिद सुबह पांच बजे ढहाए जाने पर असदुद्दीन ओवैसी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मस्जिद कलेक्ट्रेट से पहले की है और धार्मिक आजादी किसी की रहम–ओ–करम पर निर्भर नहीं है। सहारनपुर कलेक्ट्रेट में मौजूद मस्जिद को शनिवार सुबह पांच बजे ध्वस्त किए जाने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। ओवैसी ने पूछा कि क्या अब मुसलमानों के लिए मजहबी आजादी का संवैधानिक अधिकार भी नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि इबादतगाहों पर बार–बार कमजोर और मनगढ़ंत वजहों के नाम पर बुलडोजर क्यों चलाया जाता है। 1911 के दस्तावेजों का ओवैसी ने किया जिक्र– असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मस्जिद कमेटी ने अदालत में 1911 के दस्तावेज पेश किए थे। उनके मुताबिक इन दस्तावेजों के जरिए यह साबित करने की कोशिश की गई कि मस्जिद कलेक्ट्रेट से पहले से मौजूद थी।ओवैसी ने कहा कि एक सदी से अधिक समय से वहां लगातार नमाज होती रही है। उन्होंने कहा कि यह कोई हाल में बनाई गई इमारत नहीं थी, बल्कि लंबे समय से इबादतगाह के तौर पर इस्तेमाल होती रही है। अपने बयान में वक्फ बाय यूजर का जिक्र करते हुए कहा कि लंबे समय से किसी स्थान के इबादतगाह के तौर पर इस्तेमाल होने का भी कानूनी महत्व है। उन्होंने लिमिटेशन एक्ट का हवाला देते हुए सरकार की ओर से जमीन के दावे पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब किसी जमीन पर एक सदी से अधिक समय से खुले तौर पर और लगातार कब्जा रहा हो तो सरकार अचानक उसे नजरअंदाज कर यह नहीं कह सकती कि जमीन अब उसकी है। ओवैसी ने कहा कि इतने लंबे समय की काबिजी को देखते हुए प्रतिकूल कब्जे का सवाल भी उठता है।असदुद्दीन ओवैसी ने कहा,मस्जिद पहले थी, कलेक्ट्रेट बाद में आया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को मस्जिद दिखाई देने पर तकलीफ हो सकती है, लेकिन यह उनका मसला है।

संपादकीय Editorial

Talks Fail, War Will Continue

The US-Iran peace talks failed and were inconclusive. This was their destiny. Although a significant diplomatic effort was made, with representatives from the two enemy countries meeting face-to-face, in three rounds of talks lasting 21 hours, the talks failed due to stubbornness and US "bullying." This was the second time since September 2013 that representatives from the US and Iran met face-to-face and communicated. At that time, then-US President Barack Obama invited Iranian President Hassan Rouhani. Even then, the fundamental issue was the nuclear program. Talks between then-US Secretary of State John Kerry and his Iranian counterpart, Mohammad Javad Zarif, resulted in a nuclear deal in 2015. Of course, it was later canceled. This time, the US wanted Iran to destroy approximately 450 kg of enriched uranium or allow the US to take it back to its country. How was agreement possible on this? Iran has flatly refused to abandon its nuclear program. However, its strategy for developing a nuclear bomb remains unclear. However, Russia claims that Iran has already developed nuclear weapons. This is extremely terrifying and devastating news, but we must await the announcement from Iran and the International Atomic Energy Agency (IAEA). US Vice President J.D. Vance declared the peace talks a failure due to Iran's stubbornness on the nuclear issue and returned to Washington with the delegation at 7:35 a.m. Iran claims that agreement had been reached on two or three issues. The US, needing an excuse to withdraw from the talks and start another war, declared the talks a failure. Iran also clarified that it has no plans to resume talks in the near future. Now, the ball is in America's court. Iran also stated that the Strait of Hormuz remains unresolved. Iran will still control the area, and US-Israeli ships will not be able to pass through it. The US did not discuss the freezing of Iran's assets or the imposition of sanctions. It is noteworthy that the US has imposed 711 sanctions on Iran, and Iran's assets worth ?11 lakh crore have been frozen by the US, UK, and the European Union. There is also a statement that Iran is demanding the release of assets worth ?93 lakh crore. Billions of its assets are also frozen by Japan and China. The serious and relevant question is whether the US will impose a new war on Iran. President Trump knows that his popularity within the US has plummeted significantly. Sixty-seven members of the Senate and Congress have demanded that President Trump be removed from office. This demand could lead to impeachment. Petrol prices in the US alone have risen by 35 percent, an unprecedented increase. Is war the only option left for President Trump? The Strait of Hormuz is an international sea route. Its closure prevents the daily movement of 15 million barrels of oil. Qatar and the United Arab Emirates' LNG exports, which used to flow through this route, are also affected. Due to the war, these countries have virtually halted production, as Iranian missile and drone attacks have caused massive damage to their LNG plants. India also has 14-15 ships and tankers currently stranded on the Strait of Hormuz. India's gas crisis is so severe that people are resorting to coal stoves or kerosene stoves. Their prices have also been increased several times in the market. If the Strait of Hormuz remains closed, how long can India avoid an energy crisis, a gas crisis, and a food crisis? Does the US only see uranium? Is Trump not concerned about the 3 million Iranians displaced by the war, the destruction of nearly 100,000 residential homes, the destruction of Iran's graveyard, and the losses of approximately $140-145 billion?

E-cigarette smoke is no less dangerous; it's carcinogenic.

The smoke inhaled by vapers contains a variety of chemicals. This smoke exhibits cancer-causing properties. Evidence that smoking damages the lungs dates back to the 1880s. However, it took nearly 100 years to prove that smoking causes lung cancer. So what about electronic or e-cigarettes? People who vape (e-cigarettes) are more likely to start smoking than non-smokers. However, the evidence is not yet clear that e-cigarettes cause cancer. However, we identified all peer-reviewed research published between 2017 and 2025 that studied the health effects of vaping, suggesting a potential cancer-causing link. The smoke inhaled by vapers contains a variety of chemicals, including nicotine and its byproducts, and vaporized metal particles. This smoke exhibits nearly all of the "carcinogenic properties" identified by the World Health Organization. Blood and urine tests confirmed that vapers were absorbing e-cigarette chemicals known to be linked to cancer. We found changes in the DNA of vapers' mouths and lungs, further evidence of exposure to carcinogens. Furthermore, changes in cancer-associated biomarkers were also found in vapers' lung and oral tissues. These biomarkers are changes that appear in cells or molecules before tumors form. Available evidence suggests that nicotine-based vaping may increase the risk of mouth and lung cancer. However, it is unclear how many cases will result in cancer. Researchers say it is no longer reasonable to assume that vaping poses a lower cancer risk than smoking. Our study examines vaping as a cause of cancer. However, we currently lack direct evidence that vapers are experiencing higher rates of cancer than expected. Just as it took 100 years to establish a link between smoking and cancer, it may take decades to establish a link between vaping and cancer. This will require studying people who only vape. Therefore, carefully planned research is needed to detect cancer early. If such research were funded now, it could save many lives. – From The Conversation

The Strait of Hormuz is the world's most important gateway—a path for some, a destiny for others!

The Strait of Hormuz is a small passage, but its impact is immense. Some countries have options, but for many, it is the only gateway. Therefore, it's not just a sea route, but the most important center of global power and politics. Hormuz appears to be a thin line on a map, but in reality, it's the gateway through which the world's economy breathes. If unrest escalates here, oil becomes more expensive. If tensions rise, markets falter. If this passage is blocked, the lives of many countries could come to a standstill. But there's one thing that few people understand: this passage isn't equal for everyone. Some have options, while for others, it's everything. To understand Hormuz, first understand what this place is. Iran above, Oman below, the United Arab Emirates nearby, and a narrow sea passage in between. This passage connects the Persian Gulf to the outside world. The vast majority of the oil stored within the Gulf flows out through this route. The statistics are straightforward. Nearly a fifth of the world's oil passes through this route every day. Oil from Saudi Arabia, Iraq, Kuwait, Qatar, the UAE, and Iran flows through this route to India, China, Japan, Europe, and elsewhere. This means that on one side are the Gulf countries, and on the other, the entire world, and this is the only gateway between the two. But now understand the real difference. Oman is unique in this entire game. It sits outside this route, directly connected to the sea. It does not have to depend on the Strait of Hormuz for its trade. Even if the Strait is closed, Oman's progress remains unstoppable. The United Arab Emirates has also made preparations in advance. It has arranged to transport its oil to Fujairah via a separate pipeline. Fujairah is a port located outside this route, meaning that if necessary, the Emirates can send its oil to the world without going through the Strait of Hormuz. Saudi Arabia is even more forward-thinking. It has built a route to transport oil from within its country to the Red Sea on the other side. From there, ships can exit directly, meaning they have two routes. If one is closed, the other is open. Now, look at the countries that have no other option: Iraq, Kuwait, Qatar, and Iran itself. All of them are within the Persian Gulf. They have only one exit, the Strait of Hormuz. If this gate closes, their oil, their trade, everything will stop there. Think of it like a house with only one door. If it closes, everything inside will remain inside. This is the situation of these countries. This is why the Strait of Hormuz is not just a waterway; it is a game of power. Those who have the option remain cautious, while for those who have no other option, it becomes a matter of both life and business. The world's major countries want to keep this route open at all costs, because a blockage there means a global oil shortage and a surge in prices. Iran, on the other hand, sits very close to this point and knows it's its greatest strength, so whenever tensions escalate, the Strait of Hormuz is the first to come up. Recent events have demonstrated this again. Shipping traffic has slowed, and there have been disruptions at several locations, reminding the world once again how significant an impact this small passage truly holds. Simply put, understanding Hormuz isn't just about looking at a map. It's about understanding how the world works, how oil is transported, and how a thin line can change major decisions.

Bengal Assembly Elections 2026: What is the electoral standing of the Left?

Jyoti Basu served as Chief Minister for over 23 years, from June 21, 1977, to November 5, 2000. In every election held during his tenure as Chief Minister, the Left Front won over 200 seats, and the CPM won over 150 seats. The Left parties, which were in power for 34 consecutive years from 1977 to 2011, are now struggling. Ten years after being ousted from power, they failed to even open their account in the 2011 Assembly elections. Now, in the 2026 Assembly elections, they are contesting with the support of mostly new and young faces. Why did this happen to the Left parties? Before understanding this, it's essential to take a look back and see how they fell from peak to zero. When he came to power in 1977, Jyoti Basu himself was stunned by the electoral performance of the Left parties. This was a pleasant surprise for the CPM and the Left Front. Why wouldn't it be? The Left Front won 231 seats in the 294-member assembly, while the CPM, playing the role of the elder brother, won 178 seats. The CPM itself had 30 seats more than the majority. Jyoti Basu served as Chief Minister for over 23 years, from June 21, 1977, to November 5, 2000. In every election held during his tenure as Chief Minister, the Left Front won over 200 seats, while the CPM won over 150 seats. This meant the CPM would win a majority on its own, but Jyoti Basu adhered to the coalition dharma with exemplary respect. He gave due representation and respect to all the leftist parties within the Left Front. After coming to power, in the second assembly elections of 1982, the Left Front won 209 seats and the CPM 174 seats. In the third assembly elections in 1987, the Left Front won 212 seats and the CPM won 187 seats. In the fourth assembly elections in 1991, the Left Front won 204 seats and the CPM won 182 seats. In the fifth assembly elections in 1996, the Left Front won 213 seats and the CPM won 153 seats. In light of Jyoti Basu's age-related infirmity, Buddhadeb Bhattacharya was appointed Deputy Chief Minister on January 12, 1999, a position he held until November 5, 2000. Following Chief Minister Jyoti Basu's resignation, Buddhadeb Bhattacharya was sworn in as Chief Minister on November 6, 2000, and served until May 20, 2011. Three assembly elections were held during Buddhadeb Bhattacharya's tenure. In his first assembly elections in 2001, the Left Front won 211 seats and the CPM won 143 seats. For the first time, the CPM fell five seats short of a majority. The TMC won 60 seats, becoming the main opposition party. In the second assembly election in 2006, the Left Front won 235 seats, while the CPM won 176. In the third assembly election in 2011, the Left Front won only 62 seats, while the CPM won 40. The TMC won 184 seats and came to power in 2011. Buddhadeb Bhattacharya subsequently retired from active politics due to ill health. Dr. Suryakant Mishra succeeded Buddhadeb Bhattacharya, and in the 2016 assembly elections, the CPM won only 26 seats. On the other hand, the TMC won 211 seats, with its highest tally of 187 falling to 26. In the 2021 assembly elections, the Left Front failed to win a single seat. The TMC won 215 seats, or more than 200, for the second time. Why and what happened to the Left parties after 34 years in power that caused them to plummet from the pinnacle to zero? No such serious allegations of corruption were leveled against the government, any minister, or MLA. In 2011, when the TMC overthrew the party's 34-year rule, the CPM still retained 40% of its vote bank. But what happened was that in just a decade, this stronghold collapsed like a house of cards, and its vote share dwindled to 5%? In fact, the habit of power, the exodus of cadres to the BJP, and the neglect of young leadership marginalized the red flag. Then, when the Left Front initiated the re-establishment of industries, incidents like Singur and Nandigram worsened the situation, and public opinion turned against the party itself. Those already fed up with the CPM took to the streets in protest. Mamata Banerjee's TMC took advantage of this and secured power. On the other hand, the political vacuum created by the disappearance of the Left vote was filled by the BJP, a party with a similar cadre base to the Left. While the BJP is ideologically the polar opposite of the Left and a new and strong force in Bengal, the question remains: how did Left voters shift towards this opposing ideology? Was it simply to express their anti-incumbency sentiment against the Mamata Banerjee government in the state? In the absence of a strong Left party and a severely weakened Congress, the BJP found an unexpected ally in the Red camp, its diametrically opposed party. CPM workers significantly assisted the BJP in fighting the Trinamool Congress at the grassroots level. Thanks to this organizational support, the BJP was able to secure a significant share of the anti-TMC and pro-Leftist vote. The BJP won a historic 77 seats in the 2021 Assembly elections. This completely marginalized the other two opposition parties, the Congress and the CPM, who failed to win a single seat in the 2021 Assembly elections. The Left parties, including the CPM, also failed to win a single seat in the 2024 Lok Sabha elections. However, after the party's break with the public and the exodus of youth, a significant number of young people.

सेल्फी के चक्कर में जिंदगी खत्मः रपटा पुल पर वीडियो बनाते समय नदी में गिरा युवक, ऐसे बचे साथ घूमने आए दोस्त

मुरादाबाद में रपटा पुल पर सेल्फी लेते और वीडियो बनाते समय युवक नदी में गिर गया। इस दौरान बचाने के प्रयास में दोस्त भी डूबने से बाल-बाल बच गए।मुरादाबाद के कांठ में गांगन नदी के रपटा पुल पर दोस्तों के साथ घूमने गया युवक जुगनेश (19) सेल्फी लेते और वीडियो बनाते समय अचानक फिसलकर गहरे पानी में चला गया। देखते ही देखते वह नदी में समा गया।

उसे बचाने के प्रयास में दो दोस्त भी डूबने से बाल-बाल बचे। सूचना पर स्थानीय गोताखोर, पीएसी और फायर सर्विस की टीमें देर शाम तक डूबे युवक की तलाश में जुटी रहीं। घटना छजलैट के गांव मल्हपुर खैईया के समीप शुक्रवार को दिन में करीब ढाई बजे की है।छजलैट के गांव मल्हपुर खैईया के अशोक कुमार कई साल से मुरादाबाद के कटघर थानातंर्गत बलदेवपुरी में परिवार के साथ रहते हैं। बेटा अर्पित (20) और पड़ोसी जुगनेश (19) अच्छे दोस्त थे। शुक्रवार को जुगनेश अपने अन्य दोस्त आदित्य, विशाल, रविंद्र, लक्की के साथ अर्पित के गांव मल्हपुर खैईया आया था। सेल्फी लेने और वीडियो बनाने के दौरान फिसला पैर- दोपहर में सभी गांव से कुछ दूरी पर गांगन नदी के रपटा पुल पर घूमने के लिए गए थे। यहां रपटा पुल के ऊपर से नदी का पानी बह रहा है। यहां पानी में सेल्फी लेने और वीडियो बनाने के दौरान पैर फिसलने से जुगनेश अचानक नदी के गहरे पानी में गिर गया।

बचाने के प्रयास में बाल-बाल बचे दोस्त- उसे बचाने की कोशिश में रविंद्र और विशाल भी डूबने से बाल-बाल बचे। चीख पुकार के बीच मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर एसडीएम कांठ स्निग्धा चतुर्वेदी, सीओ सुनीता दहिया, थानाध्यक्ष छजलैट रमेश सहरावत, भारी पुलिस फोर्स और राजस्व कर्मी मौके पर पहुंच गए। डूबे युवक के परिजन भी रोते बिखलते पहुंचे। देर शाम तक डूबे युवक की खोजबीन होती रही पर सुराग नहीं लग सका। मुरादाबाद मंडल अंतर्गत अमरोहा, रामपुर, संभल में शुक्रवार को नदियों का पानी धीरे-धीरे उतरने लगा है लेकिन ग्रामीण इलाकों में क्षेत्रवासियों की मुसीबतें कम नहीं हुईं हैं। जिलों में जलस्तर घटने के बाद अब ग्रामीणों को संक्रामक बीमारी और नुकसान की चिंता सताने लगी है। प्रशासन की ओर से बचाव के उपाय किए जा रहे हैं लेकिन नाकाफी साबित हो रहे हैं।

मुरादाबाद में सीएम ग्रिड का काम पड़ा सुस्तः व्यापारियों का फूटा गुस्सा, कहा- ऐसे तो ठप हो जाएगा कारोबार!

मुरादाबाद में सीएम ग्रिड योजना के तहत विकास कार्यों की धीमी गति से राहगीर और व्यापारी परेशान हैं। अधूरे निर्माण और दुकानों के सामने गड्ढों से कारोबार प्रभावित हो रहा है, जिससे व्यापारियों में गुस्सा है। दाऊ दयाल खन्ना नगर में सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की सुस्त रफ्तार राहगीरों के साथ-साथ स्थानीय लोगों और व्यापारियों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। योजना के प्रथम चरण में कैल्टन स्कूल से चौधरी चरण सिंह चौक तक प्रस्तावित कार्य अभी तक पूरी तरह से धरातल पर नहीं उतर पाए हैं। कैल्टन स्कूल से अहिल्याबाई होल्कर चौक तक फुटपाथ का निर्माण अधूरा पड़ा है। वहीं चौक से चौधरी चरण सिंह चौक तक सड़क और नाला निर्माण के साथ डिवाइडरों की रंगाई, स्ट्रीट लाइट तथा फुटपाथ निर्माण जैसे कई कार्य अब भी अधूरे हैं।निर्माण कार्यों की धीमी गति से राहगीरों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि निर्माण कंपनी के कर्मचारी दुकानों के सामने गड्ढे खोदकर छोड़ देते हैं, जिससे ग्राहकों को दुकानों तक पहुंचने में परेशानी होती है। इसका सीधा असर कारोबार पर पड़ रहा है। व्यापारियों के मुताबिक फिलहाल सहालग न होने से बाजार में पहले ही मंदी है। ऐसे में यदि निर्माण कार्य समय से पूरा नहीं हुआ तो कारोबार को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। क्षेत्रवासियों के अनुसार निर्माण कंपनी के ठेकेदार एक स्थान पर काम करने के बजाय अलग-अलग जगहों पर काम कर रहे हैं, जिससे कार्य की गति प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि निगम प्रशासन को प्रतिदिन कार्यों की निगरानी कराकर प्रगति सुनिश्चित करनी चाहिए। उधर, योजना के द्वितीय चरण में मानसरोवर कॉलोनी में भी निर्माण कार्यों की रफ्तार कछुआ चाल बनी हुई है। अब देखना होगा कि निर्धारित 31 दिसंबर तक दोनों चरणों के कार्य पूरे हो पाते हैं या नहीं।

राधा-कृष्ण स्वरूप सज्जा प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखेरा भक्ति और संस्कृति का रंग

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर राधा रानी एवं श्रीकृष्ण स्वरूप सज्जा प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने राधा रानी और श्रीकृष्ण के मनमोहक स्वरूप धारण कर भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और धार्मिक आस्था की सुंदर झलक प्रस्तुत की। नन्हे-मुन्ने बच्चों के आकर्षक स्वरूपों ने विद्यालय परिसर को भक्तिमय एवं उत्सवपूर्ण वातावरण से भर दिया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और प्रतिभा को विकसित करना रहा। बच्चों ने आकर्षक वेशभूषा, भाव-भंगिमा और प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की वेशभूषा, प्रस्तुति, रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन किया।कार्यक्रम में समाजसेविका नैन्सी श्रोत्रिय तथा शिक्षिका एवं समाजसेविका ममता गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। Certified Career Counselor ज्योति बंसल, नैन्सी श्रोत्रिय एवं ममता गुप्ता ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। वक्ताओं ने कहा कि राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति, करुणा, सद्भाव और संस्कारों के प्रतीक हैं। बच्चों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विद्यालय की आचार्या दीदी शिवानी, नैना, विधि, रजनी, सोनी, सरस्वती एवं आचार्य विवेक का विशेष योगदान रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान रामवीर सिंह ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों को अपनी गौरवशाली संस्कृति से जोड़ने के साथ उनकी प्रतिभा को निखारने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का समापन जय श्री राधे, जय श्री कृष्ण के जयघोष के साथ हुआ।

टांडा के कई गांवों में तेंदुए का खौफः मुंडिया रसूलपुर में देर रात दिखा, रात में घरों से निकलने से कतरा रहे लोग

रात करीब एक बजे मुंडिया रसूलपुर में तेंदुआ दिखाई दिया। इसके बाद इसकी सूचना आसपास के गांवों में फैल गई। तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीण रात में घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। तहसील क्षेत्र के गांव मुंडिया रसूलपुर में देर रात करीब एक बजे तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। तेंदुए के दिखाई देने की खबर आसपास के गांवों में भी पहुंच गई, जिससे भोलानगला, नगालिया और भाऊपुरा में भी

लोगों में डर का माहौल है।ग्रामीणों के अनुसार, रात करीब एक बजे मुंडिया रसूलपुर में तेंदुआ दिखाई दिया। इसके बाद इसकी सूचना आसपास के गांवों में फैल गई। तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीण रात में घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं और क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

सुरेश हत्याकांड में नया खुलासाः दस रुपये के किराये के विवाद में मारा था थप्पड़, बदला लेने के लिए की थी हत्या

मुरादाबाद में हुए सुरेश हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। दस रुपये के किराये के विवाद में सुरेश ने आरोपी को थप्पड़ मार दिया था। इस पर बदला लेने के लिए आरोपी ने फर्मकर्मी की हत्या कर दी। पुलिस ने एक आरोपी अभय राघव को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया है।मुरादाबाद के मझोला के लाइन पार सूर्य नगर में मंगलवार की रात फर्म कर्मी सुरेश सैनी (45) की हत्या ई रिक्शा चालक तुषार ने दस रुपये के किराये के विवाद में थप्पड़ मारने का बदला लेने के लिए अपने साथी अभय राघव और विवेक शर्मा के साथ मिलकर की थी।

शुक्रवार को पुलिस ने अभय को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया। मुख्य आरोपी तुषार और उसका दूसरा साथी फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस जुटी है। तीनों आरोपी ई रिक्शा चलाते हैं। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि मझोला थानाक्षेत्र के सूर्य नगर मानपुर नारायणपुर निवासी सुरेश सैनी फर्म में काम करता था। मंगलवार की शाम करीब सात बजे वह बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा था।बुधवार की सुबह करीब नौ बजे सुरेश का शव शराब की दुकान के पास मिला था। उसके सिर ईंटों से कुचला गया था। आसपास की दुकानों में लगे कैमरों की फुटेज की मदद से सुरेश के हत्यारोपियों की पहचान मझोला के सूर्य नगर निवासी अभय, मझोला के चाऊ की बस्ती निवासी तुषार और कटघर के पीतल बस्ती निवासी विवेक शर्मा के रूप में हुई थी।

दस रुपये के किराये को लेकर हुआ था विवाद- शुक्रवार को पुलिस ने अभय गिरफ्तार कर लिया। उसने पूछताछ में बताया कि करीब एक सप्ताह पहले तुषार के ई रिक्शा में सुरेश सैनी से गागन वाली मैनाठेर तक बैठा था। दोनों के बीच दस रुपये के किराये को लेकर विवाद हो गया था।

सुरेश सैनी ने तुषार को थप्पड़ मार दिया था। उस वक्त को दोनों को अन्य लोगों ने समझाकर शांत करा कर विवाद खत्म करा दिया था। मंगलवार रात करीब 12 बजे तुषार, विवेक और अभय जयंतीपुर स्थित गैराज में ई-रिक्शा खड़ा करने के बाद लौट रहे थे। तीनों ने देखा कि सुरेश सैनी शराब की दुकान के पास खड़ा है। ईंट से सुरेश पर हमला कर की हत्या- वह नशे की हालत में दिखाई दे रहा था। तीनों ने ईंट से सुरेश पर हमला कर दिया और उसकी हत्या करने के बाद भाग गए थे। शुक्रवार की दोपहर बाद पुलिस ने आरोपी अभय को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राधाकृष्णन जयंती पर शिक्षक दिवस हर्षोल्लास से मनाया

समोदिया क्यूँ न लिखूँ सच। विद्या भारती से संबद्ध एवं जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती पिलखुवा, हापुड़ ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तम नगर, रामपुर में महामहिम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। वंदना सभा के पश्चात प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्र के कुशल निर्देशन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर अंग्रेजी अध्यापक प्रेमपाल सिंह ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन, व्यक्तित्व एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अनुकरणीय कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई।प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुधीर सक्सेना ने सभी शिक्षकों को उपहार स्वरूप लाल पेन प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्य कार्यालय में प्रधानाचार्य को तिलक लगाकर पुष्पवर्षा की तथा उपहार भेंट कर शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कक्षा अष्टम की बहनों ने विशेष रूप से सहभागिता की, जिसमें दीदी अंजलि मौर्य ने

सहयोग किया। सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपने-अपने गुरुजनों को शुभकामनाएं देकर शिक्षक दिवस की खुशियां मनाईं।प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्र ने कहा कि गुरु का स्थान सदैव सर्वोपरि रहा है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के जीवन से जुड़ा प्रसंग सुनाते हुए बताया कि जब वे अपने पैतृक गांव परख, कानपुर देहात पहुंचे तो अपने विद्यार्थी जीवन के गुरु प्यारेलाल वर्मा को देखकर उन्होंने प्रोटोकॉल की परवाह किए बिना मंच से नीचे आकर गुरु को सादर प्रणाम किया और उनका सम्मान किया। इसी प्रकार भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी प्रधानमंत्री रहते हुए सार्वजनिक कार्यक्रम में अपने गुरु के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया था। उन्होंने कहा था कि आज वे जिस मुकाम पर हैं, उसमें उनके गुरु के दिए हुए ज्ञान और संस्कारों का महत्वपूर्ण योगदान है।उन्होंने संत कबीरदास के प्रसिद्ध दोहे-गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय। का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु ही विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन, चरित्र और संस्कार देकर जीवन में सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने शिक्षक शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि शिक्षक वह है जो शिष्य को शिखर तक पहुंचाने वाला, क्षमा की भावना रखने वाला और कमजोरियों को दूर करने वाला होता है।इस अवसर पर बृज किशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह, उमेश कुमार, विजेंद्र सिंह, गौरव सिंह, दिलीप कुमार, अनिल कुमार, प्रकाश बाबू, प्रेमपाल, सुनील कुमार, सुनीता रानी, अंजलि मौर्य, पूजा टैगोर सहित विद्यालय की बहनों एवं कन्या भारती के पदाधिकारियों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद हादसाः हाईवे पर बेकाबू डंपर ने बाइक को रौंदा, अधिवक्ता के भाई की दर्दनाक मौत, वकील गंभीर

मुरादाबाद-ठाकुरद्वारा हाईवे पर डंपर की टक्कर से अधिवक्ता मोहम्मद आसिफ के भाई दानिश की मौत हो गई। हादसे में अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद हाईवे पर शनिवार सुबह तेज रफ्तार बजरफुट भरे डंपर ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार डिलारी के काकाखेड़ा गांव निवासी अधिवक्ता मोहम्मद आसिफ के भाई दानिश की मौत हो गई। जबकि अधिवक्ता घायल हो गए। उन्हें ठाकुरद्वारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिवक्ता मोहम्मद आसिफ भाई दानिश के साथ बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे। जैसे ही वह ठाकुरद्वारा में रिलायंस पेट्रोल पंप के पास पहुंचे तो पीछे से आए बजरफुट भरे डंपर ने बाइक सवारों को रौंद दिया। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक डंपर को छोड़कर भाग गया। पुलिस ने दोनों को ठाकुरद्वारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां डाक्टर ने दानिश को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर तक यातायात भी प्रभावित रहा।

चामुंडा मंदिर में धूमधाम से मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

संभल। हल्लू सराय स्थित चामुंडा मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की आरती कर भक्ति भाव से दर्शन किए। आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया।

पीतल नगरी के शिव मंदिर में धूमधाम से मनाई जन्माष्टमी

बिलारी। पीतल नगरी स्थित शिव मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। मंदिर में भक्तिमय वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और जन्माष्टमी पर्व में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान भारी तादाद में लोगों ने कार्यक्रम में भाग लेकर धर्मलाभ कमाया।

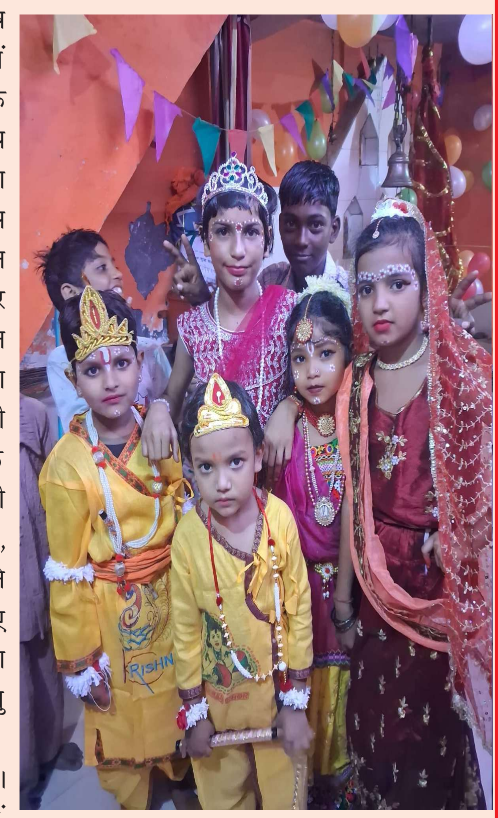

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शिक्षक दिवस पर मनकरी स्कूल में लगा पुस्तक मेला, किताबों से दोस्ती का बच्चों ने लिया संकल्प फतेहगंज पश्चिमी

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली शिक्षक दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय मनकरी, फतेहगंज पश्चिमी में पुस्तक मेले का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने पठन, ड्राइंग, नाटक, रोल प्ले एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

पुस्तक मेले को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर LLF की ओर से बच्चों को पेन, पेंसिल, नोटबुक एवं अन्य शैक्षिक सामग्री वितरित की गई। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यालय के HT रमेश जी सहित समस्त शिक्षक स्टाफ और LLF के ब्लॉक अकादमिक कोऑर्डिनेटर कमरूदीन की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। शिक्षकों ने कहा कि बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने और उनकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजन बेहद महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजनमें सहयोग के लिए विद्यालय परिवार ने LLF का आभार व्यक्त किया यूनिक माडल इंटर कॉलेज रेड रोज पब्लिक स्कूल प्रेटी पेटल्स किड्स जोन ब्राइट फ्यूचर पब्लिक गुरू हारि कृपा इंटर कॉलेज आदि विधालयो मे स्कूल प्रबंधको ने शिक्षक शिक्षकाओ को सम्मानित किया

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीएम

अधिकारी खुद सुनें जनता की फरियाद

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील सदर सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। डीएम ने शिकायत रजिस्टर का अवलोकन कर अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समाधान दिवस में शत-प्रतिशत उपस्थित रहें और अपने स्थान पर प्रतिनिधि भेजने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक जनता की शिकायतें सुनकर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में सड़क, नाली, भूमि, राजस्व, आवास, पेंशन समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें पहुंचीं। मिर्जापुर मजरा पचदौरा कला में खेत का रास्ता बंद होने की शिकायत पर चकरोड की पैमाइश व मिट्टी कार्य के लिए जिला विकास अधिकारी को जांच के निर्देश दिए गए। वहीं कटरा चांद खां में नियम विरुद्ध मैरिज हॉल संचालन की शिकायत पर नगर आयुक्त को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए कैलाशपुरम में टूटी सड़कों, नालियों और सफाई व्यवस्था की शिकायत पर नगर निगम को मौके पर जाकर निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस दौरान एक महिला को मुख्यमंत्री राहत कोष की सहायता राशि तथा दो पात्र लाभार्थियों को राशन कार्ड प्रदान किए गए। इस अवसर पर एसपी सिटी मानुष पारीक, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर ईशिता किशोर, सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रोहिणी नक्षत्र में जन्मे कन्हाई, जयकारों के बीच गूंजी बधाई

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मंदिरों में शुक्रवार की मध्य रात्रि रोहिणी नक्षत्र में कान्हा का जन्म हुआ तो मंदिरों से लेकर घरों जयकारों और बधाइयों से गूंज उठा। भक्तों ने नंदलाल को पंचामृत से स्नान कराया और आरती उतारी। माखन-मिश्री का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया। तुलसी पत्र, कमल और मोर पंख भी अर्पित किए। सुबह से ही मंदिरों में शुरू हुआ पूजन का क्रम देर रात तक जारी रहा। मंदिरों और घरों में भगवान कृष्ण की मनमोहक झांकियां सजाई गईं। राजेंद्रनगर स्थित बांके बिहारी मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था। महिला मंडल ने संकीर्तन किया। राधा-कृष्ण के स्वरूप में सजे बच्चों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। शाम को ठाकुर जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगनी शुरू हो गई। रात 12 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कन्हैया का प्राकट्य हुआ। इस दौरान विनोद ग्रोवर, अश्वनी अरोरा, विजय बंसल, विजय गुप्ता, मनोहर धीरवानी, होशियार सिंह, संजीव गुलाटी आदि मौजूद रहे।

राजेंद्रनगर स्थित बांके बिहारी मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था। महिला मंडल ने संकीर्तन किया। राधा-कृष्ण के स्वरूप में सजे बच्चों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। शाम को ठाकुर जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगनी शुरू हो गई। रात 12 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कन्हैया का प्राकट्य हुआ। इस दौरान विनोद ग्रोवर, अश्वनी अरोरा, विजय बंसल, विजय गुप्ता, मनोहर धीरवानी, होशियार सिंह, संजीव गुलाटी आदि मौजूद रहे।

त्रिवटीनाथ मंदिर में रात 12 बजे हुई आरती - बाबा त्रिवटीनाथ मंदिर में बाल कृष्ण और राधा का रूप धरे छोटे-छोटे बच्चों की अठखेलियों ने भगवान के बचपन के स्वरूप को जीवंत कर दिया। रात 12 बजे भगवान के प्रकट होने पर महाआरती हुई। इस दौरान मंदिर समिति के प्रताप चंद्र सेठ, संजीव औतार अग्रवाल, सुभाष मेहरा, हरिओम अग्रवाल आदि मौजूद रहे।मॉडल टाउन स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में सुबह हवन के बाद श्रीमद्भागवत महापुराण के साप्ताहिक पाठ का विश्राम हुआ। शाम को मंदिर कमेटी के अध्यक्ष राकेश नरूला ने दीप प्रज्वलित कर गणेश वंदना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत की। भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान महामंत्री संजीव चांदना, अजय अरोड़ा, उमेश धमीजा, मनमोहन सभरवाल आदि मौजूद रहे।

बधाइयां और मंगल गीत गूंजे चंद्र नगर धार्मिक समिति की ओर से कटरा चांद खां स्थित श्री सीताराम मंदिर को झूमरों से सजाया गया। भजन संध्या, झांकियां और नृत्य नाटिकाएं भक्तों को आकर्षित करती रहीं। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का प्रकटोत्सव मनाया गया। श्री रामायण मंदिर को फूलों से सजाया गया। भगवान के विग्रहों का श्रृंगार कर नए वस्त्र पहनाए गए। योगेश महाराज के सानिध्य में हवन-यज्ञ संपन्न हुआ। दिनभर भक्तों ने ठाकुरजी के बाल स्वरूप को झूला झुलाया। रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर बधाइयां और मंगल गीत गाए गए।

दिल्ली में महिला पत्रकारों से मारपीट के विरोध में एक्टिव प्रेस क्लब ने सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच /ठाकुरद्वारा। दिल्ली के थाना साकेत क्षेत्र में महिला पत्रकार शाहीन एवं नफीसा के साथ हुई कथित बदसलूकी और मारपीट की घटना के विरोध में राष्ट्रीय एक्टिव प्रेस क्लब के बैनर तले ठाकुरद्वारा के दर्जनों पत्रकारों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी की अनुपस्थित में नायव तहसीलदार लोकेश कुमार को सौंपा। ज्ञापन में पत्रकारों ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य कर रहे पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। महिला पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना न केवल प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल भी खड़े करती है। पत्रकारों ने राष्ट्रपति से मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराए जाने तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की।

साथ ही भविष्य में पत्रकारों, विशेषकर महिला पत्रकारों, के साथ इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार समाज और शासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करते हैं। ऐसे में पत्रकारों के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता या हिंसा लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। ज्ञापन सौंपने के दौरान उपस्थित पत्रकारों ने एकजुट होकर पत्रकार सुरक्षा कानून को प्रभावी रूप से लागू किए जाने की भी मांग उठाई। ज्ञापन कार्यक्रम में एक्टिव प्रेस क्लब के अध्यक्ष अनिल शर्मा, सतीश चौधरी, नईम खान राजा, शमशेर मलिक,अंसार मयूर, प्रशांत चौहान मिर्ज़ा गालिब, विवेक ओझा, नाजिम हुसैन, अनीस अहमद, वारिस खान, सरकार हुसैन, जाबिर हुसैन, मोहम्मद अली,पदाधिकारी एवं क्षेत्र के अनेक पत्रकार मौजूद रहे।

गुरुओं को नमन, हरियाली को प्रणाम– 'एक पेड़ गुरु के नाम' से गूंजा बरेली कॉलेज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत वन एवं वन्यजीव प्रभाग द्वारा बरेली कॉलेज में 'एक पेड़-गुरु के नाम' भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण कुमार सक्सेना ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना के श्लोक से हुई। बरेली कॉलेज एवं बरेली इंटर कॉलेज के शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर हरित उत्तर प्रदेश के निर्माण और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

राज्यमंत्री डा. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि वह स्वयं बरेली कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं और इस अवसर पर अपने गुरुओं को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु और माता-पिता का सम्मान जीवन की सफलता का आधार है। वृक्षों को मानव जीवन का सच्चा दाता बताते हुए उन्होंने अधिकाधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

मुख्य वन संरक्षक पीपी सिंह ने वृक्षारोपण अभियान में जनभागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी जरूरी है। उन्होंने वृक्षों के औषधीय और धार्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में करीब 50 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान विभिन्न शिक्षकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों को पौधे भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

श्रीकृष्ण के जयघोष से गूंजा शहर, मढ़ीनाथ सिठौरा से निकली ऐतिहासिक जन्माष्टमी शोभायात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर हर वर्ष की भांति इस बार भी मढ़ीनाथ सिठौरा से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा शांतिविहार होते हुए बदायूं रोड स्थित ललिता देवी मंदिर, नेकपुर पहुंची। इसके बाद यात्रा मढ़ीनाथ शिव मंदिर होते हुए वापस सिठौरा पहुंचकर सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में आकर्षक धार्मिक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। जय श्रीकृष्ण के जयघोष और भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र कृष्णमय नजर आया। श्रद्धालुओं में शोभायात्रा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। आपको बताते चलें कि शोभायात्रा के मुख्य संस्थापक स्वर्गीय सुभाष पाठक, स्वर्गीय चेतन गिरी, ने इस शोभा यात्रा की नींव रखी थी, जो आज भी बढ़चढकर सनातनी भाई एक साथ मिलकर जिसमें सभासद राजेश अग्रवाल अतुल पाठक, दौलत गिरी, नंद किशोर कन्नौजिया, राजकुमार सक्सेना, सोमपाल व विचित्रपाल कन्नौजिया (मुन्ना) मोहित गुप्ता सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों के साथ साथ आयोजन को सफल बनाने में क्षेत्रवासियों एवं समस्त जनमानस ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना सुभाष नगर के प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन, मढ़ीनाथ चौकी इंचार्ज जितेंद्र सिंह पुलिस दलबल के साथ उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सकुशल बरामद हुई ढाई वर्षीय गुमशुदा बच्ची, माता-पिता के चेहरे पर लौटी मुस्कान

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर रज़ा / महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण हेतु संचालित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत थाना मुगलपुरा की मिशन शक्ति टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आम जनमानस के सहयोग से ढाई वर्ष की एक मासूम बच्ची को सकुशल बरामद कर उसके माता-पिता के सुपुर्द किया। घटना का विवरण- दिनांक 05 सितम्बर 2026 को क्षेत्र में गश्त व निगरानी के दौरान मिशन शक्ति टीम को सूचना प्राप्त हुई कि हाथी वाला मंदिर क्षेत्र से लगभग ढाई वर्ष की मासूम बच्ची अरीशा (पुत्री फहीम, पौत्री नजाकत हुसैन, निवासी हाथी वाला मंदिर, थाना मुगलपुरा, मुरादाबाद) रास्ता भटक कर परिजनों से बिछड़ गई है। सूचना पर मिशन शक्ति टीम ने मामले को अत्यंत संवेदनशीलता से लेते हुए तत्काल खोजबीन शुरू की। जनसहयोग और पुलिस की सक्रियता- मासूम बच्ची के मिशन शक्ति टीम ने तत्काल आसपास के क्षेत्रों में घोषणा कराई, स्थानीय व्यापारियों व नागरिकों से संपर्क साधा और बच्ची की तलाश में स्थानीय नागरिकों-श्री फैज़ान पुत्र महबूब, निवासी गली नंबर 1, वारसी नगर एवं श्रीमती उर्मिला पत्नी हरिराम, निवासी रानी किशोरी का फाटक, लालबाग ने पुलिस टीम का सक्रिय व सराहनीय सहयोग किया। पुलिस टीम की तत्परता और सजग नागरिकों के साझा प्रयास से मासूम बच्ची को अल्प समय में ही सकुशल खोज निकाला गया।

परिजनों को सुपुर्दगी थाना मुगलपुरा पर समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर बच्ची अरीशा को सकुशल उसके पिता फहीम एवं माता फायमा के सुपुर्द किया गया। अपनी मासूम बच्ची को सही-सलामत पाकर माता-पिता भावुक हो उठे और उन्होंने मुरादाबाद पुलिस, मिशन शक्ति टीम व मददगार नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त किया। प्रभारी निरीक्षक थाना मुगलपुरा द्वारा मिशन शक्ति टीम की इस तत्परता, संवेदनशीलता एवं सराहनीय कार्य की प्रशंसा की गई। सराहनीय कार्य करने वाली टीम उपनिरीक्षक रानी सिंह (प्रभारी, मिशन शक्ति टीम) महिला मुख्य आरक्षी अमृता महिला आरक्षी बरखा आरक्षी प्रशान्तर धामा

फर्जी फर्म बनाकर 87.04 लाख की जीएसटी चोरी में दो गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। क्षेत्र में फर्जी और बोगस फर्म बनाकर जीएसटी चोरी करने के बड़े मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला प्रेमनगर का है। पुलिस ने 87.04 लाख रुपये की जीएसटी चोरी के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राज्य कर अधिकारी खंड-05 बरेली सुनील कुमार ने एक मार्च को प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि सर्वश्री पीएस ट्रेडर्स नाम की फर्जी फर्म गठित की गई। फर्म का पता भी गलत डाला गया। इसके बाद सामान की खरोद-फरोख्त किए बिना ही फर्जी बिल तैयार कर बोगस आईटीसी पास-ऑन की गई। इससे जीएसटी विभाग को 87,04,603.44 रुपये की राजस्व क्षति हुई। पुलिस ने शुक्रवार को दर्ज मामले में वांछित चल रहे पुष्पेंद्र (28) निवासी चौडेरा रमपुरा रतन और ओमसिंह उर्फ पिंटू (33) निवासी जवेदा जवेदी, थाना क्योलड़िया को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर प्रेमनगर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नाथ कॉरिडोर से बदलेगी बरेली की तस्वीर, गांधी उद्यान के सामने बनेगा 'गौतम बुद्ध चौक, चौराहे के पुनर्विकास से सुधरेगा यातायात

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नाथ कॉरिडोर के तहत शहर के प्रमुख स्थलों के सौंदर्यीकरण और विकास की कवायद तेज हो गई है। महात्मा गांधी उद्यान के सामने स्थित गौतम बुद्ध पार्क के निकट चौराहे के समग्र पुनर्विकास का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यहां भगवान गौतम बुद्ध की भव्य प्रतिमा स्थापित कर इसे 'गौतम बुद्ध चौक' के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही चौराहे के पुनर्निर्माण से यातायात व्यवस्था को भी बेहतर किया जाएगा। गांधी उद्यान में नाथ नगरी की संस्कृति, आस्था और नाथ कॉरिडोर की थीम दर्शाने वाली आकर्षक फोकस वॉल भी विकसित की जाएगी। प्रस्ताव को लेकर गौतम बुद्ध पार्क समन्वय संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पाण्डेय से मुलाकात कर योजना का स्वागत किया। समिति ने स्तूपाकार प्रवेश द्वार और गौतम बुद्ध मार्ग पर धम्म उपदेश प्रदर्शित करने के सुझाव भी दिए। बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पाण्डेय ने कहा कि नाथ कॉरिडोर के माध्यम से बरेली की पहचान, आस्था, संस्कृति और विरासत को नई भव्यता देने का प्रयास किया जा रहा है। 'गौतम बुद्ध चौक' इसी व्यापक विकास योजना का हिस्सा है।

शिक्षक दिवस पर आयोजित गोष्ठी में हुआ शिक्षकों का सम्मान।

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। क्षेत्र के नारुखेड़ा गांव के निकट आयोजित शिक्षक दिवस समारोह के उपलक्ष में शिक्षा समाज से जुड़े प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक संगठन और विभिन्न संस्थाओं से जुड़े लोग मौजूद रहे, कार्यक्रम के मुख्य आयोजक नरेश यादव ने कहा की शिक्षक समाज की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं इसलिए हम सभी को अपने गुरुजनों का सम्मान करना चाहिए बोले की हम सभी शिक्षा के बिना अधूरे हैं क्योंकि जो व्यक्ति शिक्षित नहीं होता है उसका भविष्य अंधकार मय हो जाता है और यदि आप जागरूक हैं तो समाज में होने वाली प्रत्येक गतिविधि और उससे जुड़ी विभिन्न बातों का पूरा ध्यान रख सकते हैं। निखिल यादव ने कहा की माता-पिता के बाद शिक्षक को ही समाज में सबसे बड़ा दर्जा दिया गया है इसलिए हम सभी को अपने शिक्षकों का सम्मान सदैव करना चाहिए उन्होंने कहा कि शिक्षा का व्यवसाय कारण नहीं होना चाहिए जो निर्धन बच्चे हैं उन्हें भी शिक्षित होने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है उन्होंने समाज के संपन्न लोगों से आह्वान किया कि सभी लोग एकजुट होकर आगे आए हैं और निर्धन गरीब छात्र-छात्राओं को शिक्षित बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए उनके जीवन पर भी प्रकाश डाला गया। गोष्ठी के दौरान आयोजित भंडारे में सभी लोगों ने भोजन रूपी प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ भी कमाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में निखिल यादव की टीम के अलावा शीलू गुप्ता, सुमित गुप्ता, सभासद देवेश कुमार शर्मा सहित लोगों का पूर्ण सहयोग रहा

शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ: मुख्यमंत्री

क्यूँ न लिखूँ सच / मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति हर क्षेत्र में हो सकती है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र को इससे दूर रखना जरूरी है। विद्यालय बच्चों के भविष्य निर्माण के केंद्र हैं, जहां शिक्षकों का ध्यान शिक्षा, संस्कार और विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने पर होना चाहिए। समारोह में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 81 शिक्षकों को सम्मानित किया। इनमें बेसिक शिक्षा के 61 और माध्यमिक शिक्षा के 20 शिक्षक शामिल रहे। वहीं जनपद बदायूँ में सदर विधायक, सीडीओ, एमएलसी प्रतिनिधि शारदेंदु पाठक ने बेसिक शिक्षा के 32 और माध्यमिक शिक्षा 10 शिक्षक सहित कुल 42 शिक्षकों को फूलमाला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सीडीओ ने कहा कि कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को बधाई

देते हुए कहा कि उनके नवाचार, समर्पण और अनुभव से अन्य शिक्षक भी प्रेरणा लेकर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। नवाचार के अन्तर्गत उमंग एक पहचान कार्यक्रम जनपद के परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक एवं संविलियन विद्यालयों में बच्चों की प्रतिभा को निखारने और जीवन कौशल के लिए विभिन्न शैक्षिक प्रतियोगिताएं कराये जाने का निर्णय लिया गया है। जिसमें विभिन्न कक्षा स्तरों पर शैक्षिक प्रतियोगिताएं करायी जायेंगी। इन प्रतियोगिताओं में विद्यालय स्तर से जनपद स्तर तक छात्र-छात्रा प्रतिभाग करेंगे। यह प्रतियोगिताएं निर्धारित समयावधि में आगामी 7 से 11 सितम्बर तक विद्यालय स्तर पर, 14 से 16 सितम्बर तक ब्लॉक स्तर पर एवं 18 सितम्बर को जनपद स्तर पर प्रतियोगिताएं करायी जायेंगी। कार्यक्रम में बीएसए नवीन कुमार सहित अन्य अधिकारी व शिक्षक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

थाना बिसौली पुलिस नें लूट की घटना करने वाले दो अभियुक्तों को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / एसएसपी अंकित शर्मा के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत डा0 हृदेश कठेरिया, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के

पर्यवेक्षण में तथा श्री अंशुमन श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी बिसौली के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक बिसौली मय टीम द्वारा थाना बिसौली पर पंजीकृत मु0अ0सं0 356/2026 धारा 309(4) बीएनएस का सफल अनावरण कर घटना कारित करने वाले 02 अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया रात्रि मे आसफपुर रोड़ बिजलीघर के पास से लूटी गयी 01 मोटरसाईकिल अपाचे रंग नीला रजिस्ट्रेशन नंबर Pw4-AF-4463 बरामद की गई जिसके आधार पर मुकदमा उपरोक्त मे धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी कर अभियुक्तगण को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

गुरु सम्मान के साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश, विद्यार्थियों ने लगाए पौधे

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / अमरिया/पीलीभीत। शिक्षक दिवस के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज अमरिया में पौधरोपण के साथ विद्यार्थियों को पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। पीलीभीत रेंज के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में 'एक पेड़ गुरु के नाम' अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधे

लगाए गए। छात्र-छात्राओं ने पौधों की देखभाल करने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग की टीम ने विद्यार्थियों को गिद्ध संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। बताया गया कि गिद्ध प्रकृति के सफाईकर्मी हैं और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यार्थियों को वन्यजीवों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक किया गया। वन विभाग की ओर से विद्यार्थियों को तेंदुए और मगरमच्छ से बचाव से संबंधित जागरूकता वीडियो भी दिखाए गए। वीडियो के माध्यम से वन्यजीव दिखाई देने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों से कहा गया कि तेंदुआ या मगरमच्छ दिखाई देने पर उसके करीब न जाएं, उसे छेड़ने का प्रयास न करें और भीड़ एकत्र न करें। ऐसी स्थिति में सुरक्षित दूरी बनाकर तत्काल वन विभाग को सूचना दें। प्रधानाचार्य संजय कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधों की नियमित देखभाल करने और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य संजय कुमार, विद्यालय के शिक्षक एवं स्टाफ के साथ वन विभाग के वन दरोगा शैलेन्द्र यादव, कौशेंद्र यादव, रामऔतार, बेनीराम और रामकैलाश मौजूद रहे। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

बिलारी के सभासद सुमित गुप्ता ने नरेश यादव से शिष्टाचार भेंट

बिलारी। नागरिक मंच के संयोजक एवं सामाजिक कार्यकर्ता संजय सक्सेना, बूथ अध्यक्ष बनियाठेर धर्म सिंह यादव तथा नगर पालिका परिषद बिलारी के सभासद सुमित गुप्ता ने नरेश यादव से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न सामाजिक एवं स्थानीय विषयों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में चर्चा हुई। सभी ने क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों पर मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। शिष्टाचार भेंट

के दौरान आपसी विचार-विमर्श के साथ सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

डीएम के आदेश के बावजूद पंचायत घर पर ताला, ग्रामीण परेशान

पंसोली में बंद मिला पंचायत घर, सचिव-लेखपाल की मौजूदगी पर उठे सवाल; सरकारी कामों के लिए ग्रामीण लगा रहे चक्कर

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / अमरिया/पीलीभीत। ग्रामीणों को गांव में ही सरकारी योजनाओं और पंचायत से जुड़े कार्यों की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शासन की ओर से पंचायत घरों का संचालन कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने भी पंचायत घरों को नियमित रूप से खोलने और ग्रामीणों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके

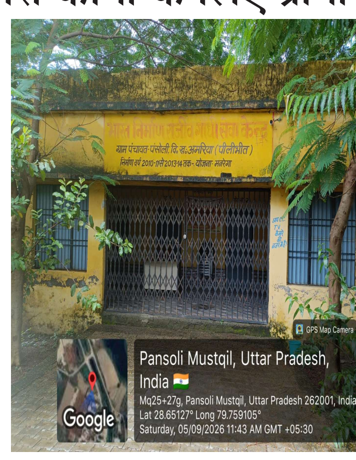

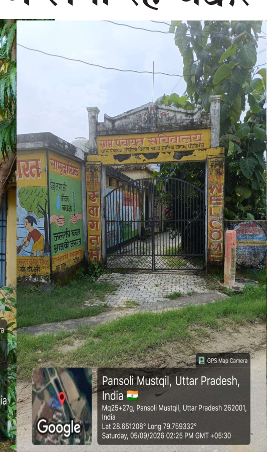

बावजूद अमरिया विकासखंड में इन निर्देशों का पालन होता नजर नहीं आ रहा है। शनिवार को विकासखंड की ग्राम पंचायत पंसोली में पंचायत घर बंद मिला। भवन के मुख्य द्वार पर ताला लटका रहा। पंचायत घर बंद मिलने से ग्रामीणों को अपने जरूरी कार्यों के लिए संबंधित कर्मचारियों की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत घर पर यदि नियमित रूप से कर्मचारी मौजूद रहें तो उन्हें छोटे-छोटे कार्यों के लिए ब्लॉक और तहसील मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत सचिव और लेखपाल की पंचायत क्षेत्र में नियमित मौजूदगी नहीं रहती। इससे परिवार रजिस्टर, पेंशन, आवास, मनरेगा, राजस्व संबंधी कार्यों और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्य प्रभावित होते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार जरूरी काम के लिए संबंधित कर्मचारी का इंतजार करना पड़ता है या फिर उनके कार्यालय तक जाना पड़ता है। आदेश के बाद भी नहीं खुल रहे पंचायत घर- पंचायत घरों को नियमित रूप से खोलने के लिए प्रशासन की ओर से निर्देश दिए जाने के बावजूद पंसोली में पंचायत घर पर ताला मिलना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों का आरोप है कि केवल आदेश जारी करने से व्यवस्था नहीं सुधरेगी, बल्कि इसकी नियमित निगरानी और जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। कई पंचायतों में व्यवस्था बदहाल होने का आरोप- ग्रामीणों का दावा है कि पंसोली अकेली पंचायत नहीं है, बल्कि अमरिया विकासखंड की कई अन्य ग्राम पंचायतों में भी पंचायत घरों के नियमित संचालन की स्थिति संतोषजनक नहीं है। यदि पंचायत घर निर्धारित समय पर खुलें और सचिव समेत संबंधित कर्मचारी वहां मौजूद रहें तो ग्रामीणों को सरकारी कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से पंचायत घरों के नियमित संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने तथा जिलाधिकारी के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने की मांग की है। साथ ही पंचायत घरों की औचक जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की मांग उठाई है।

महिला पत्रकारों से कथित मारपीट पर ऐप्जा ने जताया आक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पूरनपुर। दिल्ली के साकेत क्षेत्र में कवरेज के दौरान दो महिला पत्रकारों के साथ कथित मारपीट और उन्हें पुलिस द्वारा थाने ले जाने के मामले को लेकर ऑल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (ऐप्जा) ने नाराजगी जताई है। संगठन ने प्रकरण की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराए जाने और आरोप सही पाए जाने पर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ऐप्जा के चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी के निर्देश पर पूरनपुर तहसील अध्यक्ष रामनिवास कश्यप और मीडिया प्रभारी सबलू खान के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी पूरनपुर के माध्यम से भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि महिला पत्रकार शाहीन खान और नफीसा खान साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में आयोजित एक कार्यक्रम की कवरेज कर रही थीं। इसी दौरान कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा उनके साथ कथित मारपीट किए जाने और बाद में पुलिस वाहन से उन्हें साकेत थाने ले जाने का आरोप है। संगठन ने आरोप लगाया कि थाने में भी दोनों महिला पत्रकारों के साथ कथित अभद्रता और मारपीट की गई। ज्ञापन में सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो का हवाला देते हुए कहा गया कि दोनों पत्रकारों के शरीर पर चोटों के निशान दिखाई दे रहे हैं। ऐप्जा ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग की है। ऐप्जा पदाधिकारियों ने दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महिला आयोग और प्रेस काउंसिल से भी मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई की अपील की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को स्वतंत्र और सुरक्षित वातावरण में काम करने का अधिकार है। कवरेज के दौरान पत्रकारों के साथ किसी भी प्रकार का कथित उत्पीड़न लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस :

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला बाजार, वार्ड संख्या-11, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-282, जो गृहकर अभिलेखों में श्री शरद कुमार गुप्ता व श्री अमन गुप्ता पुत्रगण श्री राजेश कुमार गुप्ता, निवासी अशोक विहार, दिल्ली व मोहल्ला खिलनी, वजीरगंज, बदायूँ, जिला बदायूँ के नाम दर्ज है, पर श्री भगवान दास पुत्र श्री होते लाल, निवासी ग्राम बगपुरा, हाल निवासी तिलकनगर (ओम विहार कॉलोनी), निकट रोडवेज, कस्बा व तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के रकबा 62.72 वर्गमीटर में गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक 08/08/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ विक्रय पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

क्र म सं0	भवन		मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
	पुरानी	नई			
1	1118	282	बाजार	श्री शरद कुमार गुप्ता व श्री अमन गुप्ता पुत्रगण श्री राजेश कुमार गुप्ता	श्री भगवान दास पुत्र श्री होते लाल

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति मय साक्ष्य के प्रस्तुत कर सकता है। बीत जाने मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद बिलारी
(मुरादाबाद)

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस :

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला बाजार, वार्ड संख्या-12, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-24 व 26 जो गृहकर अभिलेखों में श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह, निवासी मौ0 बाजार गुरुनानक मार्केट, कस्बा व तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद व श्री हरदीप सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह, निवासी सी-19 पंजाबी बस्ती, बलजीतनगर, गुरुद्वारे के पास, पटेलनगर, ए0ओ0 सेन्ट्रल दिल्ली के नाम दर्ज है, पर श्री इफ्तकार हुसैन पुत्र श्री अशफाक हुसैन, निवासी मौ0 बाजार पश्चिमी, निकट सरिया मिल, कस्बा व तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के रकबे 10.303 वर्गमीटर में (दुकान भूतल से छत लेन्टर की ऊँचाई तक यानी छत लेन्टर को छोड़कर) गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक 13/08/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ विक्रय पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार	
1	24	बाजार	श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह	24, 26/01	श्री इफ्तकार हुसैन पुत्र श्री अशफाक हुसैन
	26		श्री हरदीप सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह		

उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की तिथि से 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद बिलारी
(मुरादाबाद)

परसोहना में देर रात जंगली जानवर का आतंक, बच्ची समेत 5 ग्रामीणों को किया घायल

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी /बहराइच जनपद के विकास खंड महसी अंतर्गत थाना हरदी क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसोहना में बीती रात करीब 1230 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब एक हिंसक जंगली जानवर ने अचानक हमला कर एक मासूम बच्ची समेत 5 ग्रामीणों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस अचानक हुए हमले से पूरे इलाके में दहशत का माहौल देर रात सोते समय कई घरों मे हमला किया तभी हिंसक जानवर ने ग्रामीणों पर ताबड़तोड़ हमला करना शुरू कर दिया। चीख-पुकार सुनकर जब तक अन्य ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर दौड़ते, तब तक जानवर 5 लोगों को लहुलुहान कर चुका था।घायलों के नाम है-रुकसाना (उम्र 10 वर्ष), पुत्री - पुतनू मुसाफिर (उम्र 19 वर्ष), पुत्र - इतवारी गौतम (उम्र 36 वर्ष), पुत्र - ज्वाला प्रसाद राम गोपाल (उम्र 38 वर्ष), पुत्र - मंशाराम हबीब (उम्र 61 वर्ष), पुत्र - इसमाइल सीएचसी महसी में चल रहा है इलाज घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) महसी ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम सभी घायलों का इलाज कर रही है। देर रात हुए इस हमले के बाद से अस्पताल परिसर में भी परिजनों की भारी भीड़ जुटी हुई है।वन विभाग और पुलिस अलर्ट पर महसी क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे वन्यजीवों के हमले को देखते हुए ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। घटना की सूचना हरदी थाना पुलिस और वन विभाग को दे दी गई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि क्षेत्र में तुरंत पिंजरा लगाया जाए और रात्रि गश्त बढ़ाई जाए ताकि कोई घटना ना हो ऐसी घटनाओं को रोका जा सके

तहसील दिवस में गूंजा शिक्षकों का सम्मान, मेधावियों को मिला प्रशस्ति-पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। तहसील दिवस के अवसर पर शनिवार को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में जनपद की सभी तहसीलों में मेधावी एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। आयुक्त एवं जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण और राष्ट्र के भविष्य को दिशा देने वाले महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उनकी निष्ठा, समर्पण और निरंतर प्रयास विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को आगे भी इसी समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

आपदा प्रभावित 15 परिवारों को 4.92 लाख की तत्काल आर्थिक सहायता

◆ सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, डीएम राजेश कुमार पाण्डेय व एसपी विनय कुमार सिंह ने तहसील उरई में वितरित किए राहत सहायता के चेक

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ आपदा की घड़ी में प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से संवेदनशीलता के साथ आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में तहसील सभागार उरई में सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने जनहानि, पशुहानि एवं मकान क्षति से प्रभावित 15 लाभार्थियों को कुल 4.92 लाख की आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। ग्राम कोटरा निवासी अनीता पत्नी पातीराम को जनहानि के मामले में 4 लाख की सहायता प्रदान की गई। वहीं ग्राम गढ़र निवासी सुनील कुमार पुत्र दीनदयाल को पशुहानि के लिए 37,500 की आर्थिक सहायता दी गई। इसी प्रकार मकान क्षति से प्रभावित 13 लाभार्थियों को कुल 54,500 की सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए। इनमें ग्राम भुआ के वीरसिंह पुत्र शिवप्रसाद, ऐर के संतोष पुत्र मूलचन्द्र, सोमई के कल्लू पुत्र बलई, मिनौरा कालपी के कृष्णगोपाल पुत्र मनीराम, गढ़र की रेखा रामसिखलौने पत्नी, टिकरिया के रामचरन पुत्र भगवानदीन, एगौली के राजकुमार पुत्र पुष्प सिंह, ऐट के राजकुमार पुत्र हरीराम, कन्हैयालाल पुत्र लक्ष्मीराम, रामबाबू पुत्र परसौले, अमीना पत्नी बक्शत अली, भुआ की पूनम पत्नी धर्मेन्द्र कुमार तथा नरछा के गोपाल सिंह पुत्र जगनन्दन शामिल हैं। इनमें अधिकांश लाभार्थियों को 4,000 तथा मिनौरा कालपी के लाभार्थी को 6,500 की सहायता दी गई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि आपदा से प्रभावित परिवारों को शासन की राहत व्यवस्था के तहत किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन द्वारा क्षति का त्वरित सत्यापन कर पात्र लाभार्थियों तक सहायता पहुंचाई जा रही है। चेक वितरण के दौरान लाभार्थियों को यह भरोसा भी दिलाया गया कि संकट की इस घड़ी में शासन-प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ा है।

चोरी गई 20 भेड़ें बरामद, आरोपी गिरफ्तार

गोवर्धन थाना पुलिस की कार्रवाई, न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी जेल भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। गोवर्धन थाना पुलिस ने पशु चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए चोरी गई 20 भेड़ों को बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त 2026 को फरियादी प्रेमा उर्फ प्रेमाराम, निवासी ग्राम खराड़ी, थाना कालू, जिला पाली (राजस्थान), हाल निवासी बरई का जंगल थाना गोवर्धन ने अपनी 20 भेड़ें चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रारंभिक तौर पर गुम मवेशी की सूचना दर्ज की गई। इसके बाद 24 अगस्त को थाना गोवर्धन में अपराध क्रमांक 71/26 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 4 सितंबर को गोपालपुर के जंगल में कार्रवाई की, जहां से चोरी गई 20 भेड़ों को बरामद कर लिया गया। पुलिस ने मामले में अवरार पुत्र इस्लाम कुरैशी, उम्र 42 वर्ष, निवासी भीमनगर कुम्हारपुरा, थाना ठाटीपुर, जिला ग्वालियर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रामदास प्रजापति एवं एसडीओपी श्री आनंद राय के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी गोवर्धन उपनिरीक्षक सौरभ तोमर, सहायक उपनिरीक्षक दशरथ सिंह राजपूत, सहायक उपनिरीक्षक उमाचरण गुर्जर सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने चौकी बड़ा गांव का किया औचक निरीक्षण, अवैध पटाखों पर सख्त निगरानी के निर्देश

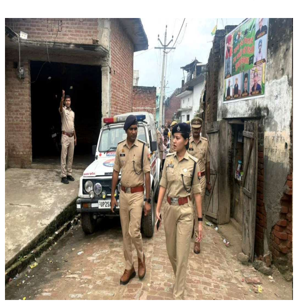

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने और अवैध पटाखा कारोबार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अंशिका वर्मा ने क्षेत्राधिकारी (मीरगंज) अजय कुमार के साथ थाना सिरौली अंतर्गत बड़गांव पुलिस चौकी का औचक निरीक्षण किया। ?निरीक्षण के दौरान एसपी दक्षिणी ने चौकी परिसर की साफ-सफाई, कार्यालय अभिलेखों, रजिस्टरों के रख-रखाव और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों को अभिलेखों को अद्यतन रखने, फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने तथा क्षेत्र में गश्त बढ़ाने संबंधी कड़े दिशा-निर्देश दिए। ?पटाखा भंडारण व विक्रय स्थलों पर पहुंचीं एसपी, मानकों का लिया जायजा। निरीक्षण के उपरांत, जिले में अवैध पटाखा निर्माण और अवैध भंडारण के विरुद्ध चल रहे विशेष चेकिंग अभियान के तहत सर्किल मीरगंज क्षेत्र में सघन जांच पड़ताल की गई। एसपी दक्षिणी ने आतिशबाजी लाइसेंस धारकों के निर्माण, विक्रय एवं भंडारण स्थलों का भौतिक सत्यापन किया। अधिकारियों ने मौके पर लाइसेंस की वैधता, अग्निशमन उपकरण, स्टॉक रजिस्टर और निर्धारित सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया। इस दौरान लाइसेंस धारकों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि वे प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों व सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। मानकों का उल्लंघन मिला तो दर्ज होगा मुकदमा पुलिस अधीक्षक दक्षिणी ने कहा कि जनपद में अवैध पटाखा निर्माण, बिक्री एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। यदि किसी भी प्रतिष्ठान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी या अवैध भंडारण पाया गया, तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

हाईवे पर खड़ी बसें बनीं मुसीबत, हादसे का बढ़ा खतरा

चौराहा चौकी के सामने सड़क पर बसें खड़ी कर सवारी भरने का आरोप, राहगीरों को हो रही परेशानी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / मटेरा/बहराइच। मटेरा थाना क्षेत्र के चौराहा चौकी के ठीक सामने नानपारा-बहराइच हाईवे पर सड़क किनारे खड़ी होने वाली बसें राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं। आरोप है कि बस चालक हाईवे पर ही बस खड़ी कर सवारियां भरते हैं, जिससे व्यस्त मार्ग पर जाम की स्थिति बनने के साथ-साथ हादसे का खतरा भी बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मटेरा चौराहे से करीब 10 मीटर आगे हाईवे पर बसें खड़ी कर सवारियां बैठाई जाती हैं। यह स्थान खास तौर पर संवेदनशील है, क्योंकि एक ओर जंगलीनाथ तरफ से आने वाला मार्ग मटेरा चौराहे पर मिलता है, जबकि दूसरी ओर मटेरा बाजार की तरफ से आने वाला रास्ता भी इसी चौराहे से जुड़ता है। ऐसे में अचानक सड़क पर खड़ी बस के कारण आने-जाने वाले वाहन चालकों को सामने से आने वाले वाहनों का अंदाजा लगाने में दिक्कत होती है। ग्रामीणों का कहना है कि एक-दो बार इन बसों की वजह से बड़ा हादसा होते-होते बच चुका है। बावजूद इसके हाईवे पर बसों के इस तरह खड़े होने पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। आम लोगों पर कार्रवाई, बस चालकों पर क्यों नहीं?- स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि कोई आम नागरिक अपनी कार या बाइक सड़क के किनारे खड़ी कर देता है तो उसका चालान कर दिया जाता है। ऐसे में लोगों का सवाल है कि यदि सड़क पर वाहन खड़ा करना यातायात नियमों का उल्लंघन है, तो फिर हाईवे पर बस खड़ी कर सवारी भरन लोगों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि चौराहा चौकी के सामने हाईवे पर बसों के अनियंत्रित तरीके से खड़े होने पर रोक लगाई जाए और यातायात व्यवस्था को सुचारु कराया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले समस्या का समाधान हो सके। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले का संज्ञान लेकर हाईवे पर खड़ी होने वाली बसों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं या फिर किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जाएगा।

12 सितम्बर को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ- सिविल जज (सी0डि)/त्वरित न्यायाधीश/प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंकित रस्तोगी ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में एवं मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूं के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूँ द्वारा 12 सितम्बर 2026 को जनपद बदायूँ में समय प्रातः 10:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूँ की अध्यक्षता में किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश के अनुपालन में राज वीर सिंह, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, बदायूँ एवं अंकित रस्तोगी, सिविल जज (सी0डि0)/त्वरित न्यायाधीश/प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ द्वारा समस्त प्रशासनिक अधिकारीगण की 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार व अधिक से अधिक वादों को चिन्हित एवं निस्तारण करने हेतु शनिवार को बैठक आहूत की गयी।

बैठक में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जनसामान्य को सूचित कर अधिकाधिक संख्या में प्री-लिटीगेशन विवादों को नियत कर आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराने का यथासम्भव प्रयास करें।

संक्षिप्त समाचार

अब जनपद पंचायत के सीईओ भी करेंगे राशन वितरण व्यवस्था की निगरानी

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए नियमित निरीक्षण और शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी । जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारू बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने राजस्व अधिकारियों के साथ अब जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ) को भी राशन वितरण व्यवस्था की कड़ी निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जनपद पंचायत के सीईओ को अपने-अपने क्षेत्र की राशन दुकानों का नियमित एवं अनिवार्य रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान राशन दुकानों में उपलब्ध भौतिक खाद्यान्न स्टॉक, वितरण व्यवस्था तथा हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विशेष रूप से जांच की जाएगी। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि राशन की उपलब्धता एवं वितरण में किसी प्रकार की बाधा न आए तथा पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित हो। अनियमितता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं- कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट किया है कि पात्र हितग्राहियों को समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ राशन उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राशन वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। जनपद सीईओ द्वारा राशन दुकानों के नियमित निरीक्षण से अब ग्रामीण क्षेत्रों में पीडीएस व्यवस्था की निगरानी और अधिक प्रभावी होने की उम्मीद है। इससे पात्र परिवारों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

29वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय सेपकटाकरा चैंपियनशिप में यूपी टीम करेगी प्रतिभाग

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाली 29वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय सेपकटाकरा चैंपियनशिप-2026 में सेपकटाकरा एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की टीम प्रतिभाग करेगी। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित प्रतिभावान बालक एवं बालिका खिलाड़ी प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीम विभिन्न स्पर्धाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। टीम के साथ कोच राम कुमार, कोच मीना कुमारी, तथा टीम मैनेजर विनोद कुमार कुशवाह, लकी रहेंगे। कोच बी.ए. शर्मा सहित सेपकटाकरा एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष कार्तिक आनंद एवं महासचिव सुमिल सिरिया ने खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि टीम पूरी मेहनत, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करेगी। संघ के पदाधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों, कोच एवं मैनेजर को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

स्वाइन फ्लू से बचाव को राजकीय मेडिकल कॉलेज में टीकाकरण अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / मौसम में बदलाव के साथ स्वाइन फ्लू एवं अन्य श्वसन संबंधी संक्रमणों से बचाव को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूँ में विशेष टीकाकरण अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत कॉलेज के आकस्मिक विभाग , टीबी एंड चेस्ट मेडिसिन विभाग, बाल रोग विभाग तथा माइक्रोबायोलॉजी विभाग में कार्यरत चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को स्वाइन फ्लू से बचाव हेतु वैक्सीन लगाई गई अस्पताल प्रशासन द्वारा बताया गया कि आकस्मिक एवं टीबी एंड चेस्ट विभाग में कार्यरत चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीजों के सीधे संपर्क में रहते हैं। ऐसे में संक्रमण से बचाव एवं स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए टीकाकरण कराया गया।

प्रधानाचार्य डॉ. शिव कुमार ने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा अस्पताल प्रशासन की प्राथमिकता है। मरीजों के उपचार के दौरान चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों का विभिन्न संक्रमणों के संपर्क में आने की संभावना रहती है। ऐसे में समय-समय पर आवश्यक टीकाकरण एवं अन्य बचाव उपाय किए जाना महत्वपूर्ण है।मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 रितु अग्रवाल ने कहा कि आकस्मिक विभाग एवं टीबी एंड चेस्ट विभाग के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी सीधे तौर पर मरीजों के संपर्क में रहते हैं। इसलिए संक्रमण से बचाव के लिए उन्हें वैक्सीन लगाई गई है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीजों को सुरक्षित एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक निरंतर जारी रखे जाएंगे। इस अवसर पर विभागीय चिकित्सकों ने कहा कि स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण, मास्क का प्रयोग, हाथों की स्वच्छता तथा संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने पर सावधानी बरतना आवश्यक है। साथ ही फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की गई।

From bad breath to gas, just use these green leaves.

If you want to get rid of everything from stomach problems to bad breath, start using these leaves found in the mountains. Let us explain. The mountains offer many beneficial properties.

Peppermint leaves, hidden among the lush refreshing, green leaves have been considered in Ayurvedic treatments for centuries. Growing leaves possess natural medicinal properties. or in tea. These leaves contain compounds that Regular consumption benefits both health and correctly and the main benefits of consuming peppermint relaxes the stomach muscles, stomach cramps. It helps digest food quickly tea or chewing the leaves soothes the digestive Freshening the mouth - Peppermint has natural harmful bacteria in the mouth and eliminate peppermint oil freshens breath and improves aroma of peppermint helps reduce mental stress peppermint relaxes muscles and increases blood relief when feeling tired. Boosting Immunity -

green hills, are among them. These important not only in home remedies but also in the cool, clean soil of the mountains, these They have long been used as food, chewing, relax and refresh both the body and mind. energy. Let's learn how to use these leaves them. Aids in digestion - The menthol in reducing problems like gas, indigestion, and and controls acidity. Drinking peppermint system and makes the stomach feel lighter. antibacterial properties, which eliminate bad breath. Chewing the leaves or using taste. Relieves headaches and fatigue - The and mild headaches. The menthol in circulation. It provides mental freshness and Peppermint contains antioxidants and anti-

inflammatory properties, which strengthen the body's immune system. It helps fight colds, viral infections, and other infections. Freshness and Energy - Consuming peppermint leaves maintains energy and freshness in both the body and mind. It reduces fatigue and increases mental alertness. Chewing peppermint leaves on an empty stomach in the morning or drinking tea made from the peppermint leaves can help maintain energy throughout the day.

Start drinking this water regularly, and many problems will be solved without medication!

Everyone needs to take care of their health during the summer season. Therefore, here we will tell you about a homemade detox water. In ancient times, people relied on natural remedies

to keep their bodies healthy and natural method is drinking barley water. Ayurveda and is considered an effective maintaining health. It not only keeps the problems. The method and benefits of article. Barley water is very easy to of barley thoroughly and soak it for 30 over medium heat for 20–25 minutes. cool to room temperature. For flavor, you mint leaves. Improves Digestion: Barley improves the digestive system. The constipation and helps digest food easily. acidity and gas problems. Detoxes the eliminate toxins from the body. It keeping the body clean and healthy. the summer cools the body. It replenishes heat-related weakness. Boosts Immunity: nutrients, which strengthen the body's coughs, and viral infections. Beneficial for

refreshed. One such powerful and Barley water has long been used in remedy for internal cleansing and body hydrated but also alleviates many consuming it are described later in this prepare in the summer. Wash half a cup minutes. Then, boil it in 4 cups of water After boiling, strain the water and let it can add lemon juice, honey, and a few water relaxes the stomach muscles and soluble fiber present in it reduces Regular consumption also reduces Body: Barley water naturally helps supports liver and kidney function, Hydration: Drinking barley water in dehydration and reduces fatigue or Barley contains antioxidants and many immune system. This helps fight colds, the Skin: Barley water hydrates the

body from within and improves skin complexion. It helps in reducing wrinkles and keeping the skin healthy.

What should be done with someone's Aadhaar card if they pass away? UIDAI has explained the correct method, so you can learn.

UIDAI has explained how to deactivate someone's Aadhaar card if they pass away and why it's important. As technology developing new methods to cases of fraud using Aadhaar Unique Identification explained how to deactivate pass away and why it's important. Why is it important to deactivate Aadhaar? It's important to prevent misuse of Aadhaar, to prevent fraudulent subsidies in deceased's name, and to prevent attempts to withdraw pensions. How to deactivate a

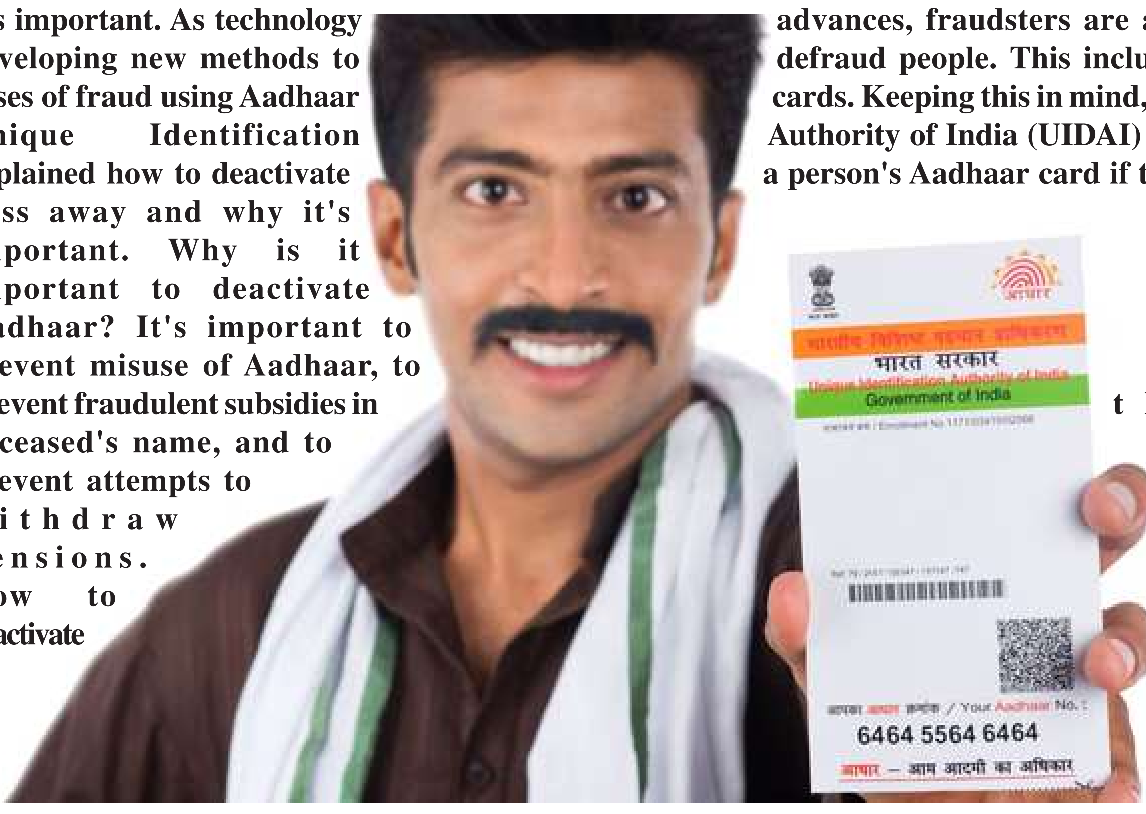

advances, fraudsters are also defraud people. This includes cards. Keeping this in mind, the Authority of India (UIDAI) has a person's Aadhaar card if they

the [illegible]

Step 1: How to deactivate a deceased person's Aadhaar card? For this, UIDAI has told the method. According to this method, first you have to go to the official My Aadhaar portal. Here you have to enter your Aadhaar number. Second step: Then an OTP will come on your registered mobile number, fill it. Now your account will be logged in. Then you have to go to the service section. After this, you have to click on the option of 'Report Death of a Family Member'. Third step: Then fill the required information of the deceased person like Aadhaar number, death certificate number, name etc. Now fill the OTP received on the mobile number and verify your identity through biometrics, then submit the request. Now, if everything is correct, Aadhaar gets deactivated in a few days.

March 2026 was the fourth hottest March in history; people suffering from these diseases should be alert now.

March 2026 was the fourth hottest March in history in terms of global temperatures. Health experts say the increasing heat could be dangerous for people already suffering from chronic diseases. Not even halfway already begun to rise already begun to feel like temperatures are being rapidly increasing heat is not but also increasing health conditions caused by the sun those already suffering from healthy and functions but when temperatures

through April, temperatures have rapidly. The sun and heat have June heat. In many areas, recorded higher than normal. The only making people uncomfortable risks. Health experts say the current and heat could be a silent trigger for serious illnesses. Our body remains optimally at a certain temperature, begin to rise, the body has to work harder than usual to keep itself cool. This process causes the heart to beat faster, blood circulation increases, and more sweat is produced. For those with pre-existing conditions like heart disease, diabetes, respiratory disease, kidney problems, or high blood pressure, this heat can cause serious problems. March 2026 - According to the latest data from Europe's Copernicus Climate Change Service (C3S), March 2026 was the fourth hottest March in history in terms of global temperatures. The Earth's average surface temperature during this period was recorded at 13.94 degrees Celsius, 0.53 degrees above the 1991-2020 average. This increase has reached 1.48 degrees Celsius compared to pre-industrial levels. Samantha Burgess, Deputy Director of C3S, said in a recent analysis that the persistently high global temperatures indicate profound changes in the climate system. This is not just an unusual month, but part of a long-term trend driven by human activities. Health experts say that increasing heat can be dangerous for people already suffering from chronic diseases. Risk for those with heart disease: Rising temperatures have a serious impact on heart health. Those with pre-existing high blood pressure and heart conditions should be cautious. As the heat increases, the heart has to work harder than normal to maintain body temperature. The body tries to cool itself through sweating, which dilates blood vessels and causes changes in blood pressure. This can be dangerous for those with pre-existing heart failure, coronary artery disease, or high blood pressure. Diabetics should also be cautious: Rising temperatures can also be dangerous for those with diabetes. High temperatures affect the body's insulin function, which can cause sudden increases or decreases in blood sugar. Diabetics often experience damage to the nerves and sweat glands, weakening the body's natural cooling system. If a person takes insulin, heat can also reduce the effectiveness of the medication, increasing the risk of high blood sugar.

Nag Ashwin compared Mrinal Thakur to Madhubala, saying, "You're amazing" and offered this advice on film selection.

After the release of "Dakait," everyone is praising Mrinal Thakur. Now, Nag Ashwin has also praised her and offered the actress some special advice. Find out what he had to say about Mrinal... The recently released film reviews from audiences and critics. receiving rave reviews for her AD" director Nag Ashwin has also offered her some special advice for her is cautious about Mrinal's work. In his Nag Ashwin said of Mrinal, "I think you're about the projects you choose." Whenever good, I wonder why is she doing it? She Whenever there is a character that has you belong to the era of Madhubala and actresses like her. So please don't do work. Mrinal became emotional after story of 'Dakait' - Directed by Sheneel Dev, film. Apart from Mrinal Thakur, Adivi also in lead roles in the film. While Sunil and Jan Mary Khan are also seen the film revolves around prisoner Haridas revenge from his ex-girlfriend Saraswati, to her betrayal. Mrinal Thakur will be Dhawan - Talking about work front,

"Dakait" is receiving mixed However, Mrinal Thakur is performance. Now, "Kalki 2898 praised Mrinal Thakur and upcoming projects. Nag Ashwin speech after praising the film, amazing. I'm usually very careful you do something that is not deserves much better work. depth, sadness or pain, I feel that Smita Patil, there are very few anything wrong and do good hearing the praise. This is the 'Dakait' is an action love story Sesh and Anurag Kashyap are Prakash Raj, Atul Kulkarni, in supporting roles. The story of 'Hari', who wants to take because he has to go to jail due seen in this film with Varun Mrinal Thakur will now be seen with Varun Dhawan in 'Hai Jawani To Ishq Hona Hai'. Directed by David Dhawan, this film also stars Pooja Hegde, Mouni Roy, Rohit Saraf and Chunky Pandey in important roles. This romantic-comedy film will be released in theatres on 22nd May.

Kristen Stewart, Paramount-Skydance Studios, and 1,000 actors sign an open letter opposing the Warner Bros. Discovery deal. Find out why.

The proposed acquisition of Warner Bros. Discovery by Paramount-Skydance Studios is currently in the news in Hollywood. Many Hollywood stars are opposing this deal. Find out why. Recently, over 1,000 Hollywood actors, Stiller, and Kristen Stewart, signed an acquisition of Warner Bros. Discovery by are Hollywood stars opposing this deal? "We are concerned about this deal. This does not reflect the interests of ordinary This will put our industry at risk. A fair essential for any industry to thrive." It's out rules and follow them. It's worth by CEO David Ellison, had a dispute with was only after this that they talked about Discovery for 111 billion USD. Many Hollywood actors are opposed to this deal, open letter. Those opposing the deal Cumming, Alyssa Milano, Boots Riley, Damon Lindelof, David Fincher, Denis Jane Fonda, JJ Abrams, Jason Bateman, Miranda, Margaret Cho, Mark Ruffalo, Youssef, Rosario Dawson, Rose Haddish, Tig Notaro, Yorgos Lanthimos, the potential downsides of this deal? Paramount Skydance and Warner Bros.

including Joaquin Phoenix, Ben open letter opposing the proposed Paramount-Skydance Studios. Why According to Variety, the letter states, deal will benefit a few individuals. It people involved in the film industry. and competitive environment is also important to have well-thought- noting that Paramount Skydance, led Netflix over assets in late February. It buying David Zaslav's Warner Bros. actors opposed the deal - Many 1000 Hollywood stars have signed an include actors like Adam McKay, Alan Bryan Cranston, Cynthia Nixon, Villeneuve, Elliot Page, Glenn Close, John Leguizamo, Lin-Manuel Noah Wyle, Patti LuPone, Rami O'Donnell, Ted Danson, Tiffany and Yvette Nicole Brown. What are Hollywood artists believe that if Discovery merge, there could be some potential downsides. This deal would mean fewer films and TV shows would be produced, leading to job losses in the filmmaking industry. In fact, when two major studios are owned by the same company, they operate independently. This could put the professional lives of thousands, even millions, of employees at risk in the future.

Salman Khan congratulates Preity Zinta's Punjab Kings, fans recall Bhaijaan's 12-year-old tweet

Salman Khan cheered for Preity Zinta's IPL team, the Punjab Kings. Fans have now remembered his 12-year-old tweet. Find out what Salman wrote... Superstar Salman Khan has been quite active on social media these days. actress Preity Zinta, which is making the actress's IPL team, the Punjab Kings. is now also going viral on social media. Salman Khan tweeted today mentioning done Zinta, congratulations Zinta, the Khan's tweet was in response to the IPL team, the Punjab Kings, this season. Hyderabad in their last match. Fans said, Khan's tweet surfaced, netizens from 2014. In it, Salman had questioned Salman Khan had written, "Did Preity connecting Salman's new tweet with his user wrote, "The sequel is released after "It was so much fun the first time that "We remember Salman's tweet before didn't play yesterday, they're not playing remains intact every day. Salman and several films. Salman Khan and Preity films, including the romantic dramas and "Har Dil Jo Pyar Karega" (2000).

Salman has tweeted about his friend and headlines. In this tweet, Salman praised Following this tweet, his 12-year-old tweet Salman praises Preity Zinta's team - Preity Zinta. In this tweet, he wrote, "Well team is playing well." Apparently, Salman excellent performance of Preity Zinta's Punjab Kings defeated Sunrisers "It's Tiger Zinta." As soon as Salman remembered Bhaijaan's 12-year-old tweet Preity Zinta's team. In the 2014 tweet, Zinta's team win?" Now, netizens are old tweet and giving funny reactions. One 12 years. It's Tiger Zinta." Another said, they had to do it again." Another user said, GTA 6." One comment read, "Punjab today either." But Salman's love for Zinta Preity Zinta have worked together in Zinta have worked together in several "Chori Chori Chupke Chupke" (2001) On the work front, Salman Khan will next be seen in "Motherland." Until March, the film was titled "Battle of Galwan" and was said to be based on the real-life conflict between the Indian and Chinese armies in the Galwan Valley. According to new reports, not only has the title been changed, but references to China and the Galwan Valley have also been removed from the film, and extensive reshoots are underway. However, the film's release date has not yet been finalized. Preity Zinta is ready to return to the big screen. She will be seen in "Lahore 1947" and another project titled "Vibe." "Vibe" was officially announced at a Prime Video event, where Preity appeared with her co-star Kunal Kemmu. "Lahore 1947" stars Sunny Deol, Shabana Azmi, Ali Fazal, and Karan Deol in lead roles alongside Preity. Produced under Aamir Khan's production house, the film is directed by Rajkumar Santoshi.